

Priyanka Chopra
Is In Mumbai...

SHARE

सेंसेक्स : 84,818.13
निफ्टी : 25,898.55

SARAFI

सोना : 12,085
चांदी : 209.00

(नोट : सोना 22 केरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बांग्लादेश में 12 फरवरी
को चुनाव, तख्तापलट के
डेढ़ साल बाद वोटिंग

NEW DELHI : बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इसका एलान किया। यह चुनाव पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के बाद हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थी। इसके बाद से वहां पर मोहम्मद युनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चल रही है। अगले साल होने वाले चुनाव में हसीना की पार्टी हिस्सा नहीं ले पाएगी। बांग्लादेश की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग का पंजीकरण चुनाव आयोग ने मई 2025 में निलंबित कर दिया था। पार्टी के बड़े नेताओं को अंतरिम सरकार गिरफ्तार कर चुकी है। अवामी लीग चुनाव लड़ने और राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

अब ₹9 करोड़ में मिलेगी
अमेरिकी नागरिकता

NEW DELHI : गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रंप गोल्ड कार्ड के लिए अर्द्धाई प्रोसेस शुरू करने का एलान किया। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया भी गुरुवार से शुरू हो गई। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.8 करोड़ रुपये) है। हालांकि कानूनों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रंप ने इसी साल फरवरी में गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम शुरू करने का एलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (42 करोड़ रुपये) रखी थी। सितंबर में इसे घटकर 1 मिलियन डॉलर किया गया। ट्रंप का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो ट्रंप टैटल (जैसे भारत-चीन से पड़े स्ट्रेटिज) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। होमलैंड सिविलिटी सेक्टर की फ्रंट्रिटी नोएप में कहा, यह ट्रिप्टिया के सफल उद्यमियों को आकर्षित करेगा। वहीं ट्रंप का प्लैटिफॉर्म कार्ड भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी फीस करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) है।

थाईलैंड में हिरासत में
लिए गए लूथरा ब्रदर्स

NEW DELHI : गोवा के बिर्वा नाइट क्लब में अगिरकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। थाईलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी। बिर्वा नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे।

कार्रवाई : आतंकी नेटवर्क और टेरर फंडिंग से जुड़े मामले को खंगालने के लिए दी गई दबिश हजारीबाग के पेलावल में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी, डिजिटल डिवाइस जब्त

PHOTON NEWS HAZARIBAGH :

गुरुवार को सुबह-सुबह हजारीबाग के पेलावल थाना क्षेत्र के अंसार नगर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने आतंकी नेटवर्क और टेरर फंडिंग से जुड़े एक बड़े मामले की जांच के तहत कार्रवाई की। टीम ने दंत चिकित्सक डॉ. जमील के घर पर छापेमारी की और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। टीम तीन वाहनों के काफिले के साथ पहुंची थी। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई सदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल को लेकर की जा रही है, जिसकी गिरफ्तारी अक्टूबर 2023 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने की थी। छापेमारी के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के

सदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की हुई गहन पड़ताल कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य सामग्री सीज

दंत चिकित्सक डॉ. जमील
को पूछताछ के लिए लिया
गया हिरासत मेंअतिरिक्त पुलिस बल की
तैनाती के बीच घंटों की
टीम भी रही मौजूदअक्टूबर 2023 में दिल्ली
पुलिस की स्पेशल सेल ने
किया था शाहनवाज को
अरेस्ट

आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़ी कड़ी की तलाश

शाहनवाज आलम को लेकर अब तक की जांच में कई गंभीर खुलासे हुए हैं। वह हजारीबाग का रहने वाला है। शाहनवाज की गिरफ्तारी पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में हुई थी, जिसमें वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा था। एजेंसी को शक है कि उसके नेटवर्क की कुछ कड़ियां झारखंड में भी सक्रिय रही हों, जिन्हें पकड़ने के लिए यह छापेमारी अहम मानी जा रही है।

बीच एनआईए के साथ-साथ एटीएस
की टीम भी जुटी। छापेमारी के दौरान
टीम घर से एक प्रिंटिंग मशीन बरामदकरके अपने साथ ले गई। इससे जांच
एजेंसियों को शक है कि वहां किसी
प्रकार के दस्तावेज, पोस्टर याआपत्तिजनक सामग्री को प्रिंटिंग की
जा रही होगी। एनआईए की टीम को
सदिग्धों के घर के अंदर से महत्वपूर्णतीन लाख का इनाम और
जंगल में ट्रेनिंग का खुलासा

जांच एजेंसियों का मानना है कि शाहनवाज कोई साधारण आरोपी नहीं, बल्कि आईएसआईएस का प्रशिक्षित सदस्य है। पुणे पुलिस की हिरासत से फरार होने के बाद एनआईए ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम तक घोषित किया था। आरोप है कि वह सफ़ीउज्जमा जैसे कुख्यात आईएसआईएस सदस्यों के संपर्क में था। पुणे के जंगलों में उसने प्रशिक्षण भी लिया था।

दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप
और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली
है, जिसकी जांच की जा रही है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन : वित्त मंत्री ने लगाया बड़ा आरोप

₹1.36 लाख करोड़ देने की दिशा में कार्रवाई नहीं कर रही केंद्र सरकार : राधाकृष्ण किशोर

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य के 1.36 करोड़ रुपये बकाया मामले में बड़ा आरोप लगाया। सदन में कहा कि केन्द्रीय कोयला मंत्री ने राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाया मामले पर अधिकारियों की कमेटी बनाकर चर्चा आगे बढ़ाने का भरोसा दिया था। लेकिन, कई महीनों के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि बकाए की वसूली राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए बेहद जरूरी है और केंद्र को इस

बकाए की वसूली राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए जरूरी, जल्द उठाना चाहिए कदम

स्कॉलरशिप नहीं मिलने
से हजारों छात्र परेशान

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रवृत्ति के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हजारों छात्र परेशान हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मरांडी ने मांग की कि सरकार इस मामले की तुरंत जांच करे। इसके साथ ही उन्होंने धान खरीद में हो रही गड़बड़ियों का सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

प्रबंधन और भारत के निर्वचक
महलेखापरीक्षक का वित्त लेखा
परीक्षा व विनियोग लेखा सेविधायक-मंत्री के बीच
हुई बातचीत की हो जांच

बाबूलाल मरांडी ने विधायक और मंत्री के बीच हुई बातचीत की जांच करने की मांग की। बाबूलाल ने ध्यान आकर्षण के दौरान वित्त खात करत हुए कहा कि उनके पास इसकी सीडी भी उपलब्ध है। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच करने की मांग की। इस पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जिस प्रकरण को जिक्र हो रही है, वह एक पार्टी कार्यालय के भीतर का मामला है और इससे विधानसभा का कोई सरोकार नहीं है।

संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन
2024-25 (केएग रिपोर्ट) सदन के
पटल पर रखा।

अनर्जों जिले के हयुलियांग इलाके में दर्दनाक हादसा

अरुणाचल में ट्रक 1000 फीट गहरे खाई में गिरा, 21 की मौत

ARUNACHAL PRADESH :

अरुणाचल प्रदेश के अनर्जों जिले के हयुलियांग इलाके में एक ट्रक 1000 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में ड्राइवर और क्लोनर संभेत 21 लोगों की मौत हो गई। बचाव दल को 18 शव मिल चुके हैं। यह हादसा 8 दिसंबर का ही है। जानकारी गुरुवार को सामने आई। दरअसल, हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन तक पैदल चलकर किसी तरह आर्मी के चिपरा जीआईएफ कैम्प पहुंचा। यहां उसने जवानों को हादसे की जानकारी

जिंदा हावा एक मजदूर 2
दिनों तक पैदल चलकर
आर्मी कैम्प पहुंचा, तब
हादसे की मिली जानकारी

दी। इसके बाद गुरुवार सुबह आर्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। आर्मी की रेस्क्यू टीम रस्सी से खाई में उतरती और करीब 4 घंटे की मशकत के बाद ट्रक तक पहुंची। हादसे वाली जगह चलगलाम से लगभग 12 किलोमीटर आगे पहाड़ी और घने जंगल वाला इलाका है। यहां बहुत ही कम आवाजाही होती है।

आठ सफल अभ्यर्थियों
को नियुक्त कर ट्रेनिंग पर
भेजे सरकार : हाईकोर्ट

RANCHI : गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट ने 11 से 13वीं जेपीएससी परीक्षा में पास होने के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर किए गए 10 सफल अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका दायर करने वाले आठ अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्त कर उनकी जॉइनिंग कराते हुए ट्रेनिंग भेजने का निर्देश दिया है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत में हुई। इस संबंध में सफल अभ्यर्थी जितेंद्र रजक, सूरज कुमार यादव, नीरज कुमार, आशुतोष कुमार, सुदित सुमन, रुपाली रोशन, सूरज कुमार और रूपेंद्र प्रसाद ने याचिका दायर की थी।

प्रधान महालेखाकार इंदु अग्रवाल की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

बालू घाटों के संचालन व पत्थर खदानों के पट्टों की मंजूरी में भारी अनियमितताएं

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को प्रधान महालेखाकार इंदु अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश में लघु खनिजों के प्रबंधन को लेकर चौंकाते वाली अनियमितताएं उजागर की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बालू घाटों के संचालन, पत्थर खदानों के पट्टों की मंजूरी और नीलामी में भारी गड़बड़ियां उजागर हुईं। इससे राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि कई खान पट्टे वन भूमि पर अवैध तरीके से दिए गए, जबकि नीलामी प्रक्रिया बेहद धीमी रही और सिर्फ 3.77% ब्लॉकों की नीलामी हो सकी। राजस्व 2017-18 के 1082 करोड़ से घटकर 2021-22 में

राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान

चतरा और पलामू में
वन संरक्षण
अधिनियम 1980 का
किया गया उल्लंघन

साहिबगंज में डीसी ने अधिकार क्षेत्र से अधिक पट्टे को दी स्वीकृति

रिपोर्ट में कहा गया कि साहिबगंज में उपायुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से अधिक 4.74 हेक्टेयर भूमि पर पट्टे स्वीकृत कर दिया, जिसे ई-नीलामी के लिए जाना चाहिए था। चतरा और पलामू में तो वन भूमि को गैर-भूमि परती दिखाकर आठ पट्टे दिए गए। यह सीधे तौर पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन

है। झारखंड राज्य में बालू घाटों के संचालन को लेकर रिपोर्ट में बड़ा खुलासा किया है। झारखंड राज्य खनिज विकास निगम को सौंपे गए 608 बालू घाटों में से केवल 21 का ही संचालन किया जा सका। माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय स्वीकृति दोनों के कारण 9,782 एकड़ क्षेत्र के 368 घाट वहाँ तक बंद पड़े रहे।

697 करोड़ रह गया। रिपोर्ट में
झारखंड के साहिबगंज, चतरा औरपलामू जिलों में पट्टा आवंटन में
गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं।

व्यवसायी विनय सिंह की पत्नी की तलाश में जांच एजेंसी ने दिल्ली में मारी रेड

एसीबी ने बेटे को हिरासत में लेकर की पूछताछ

वसंत विहार स्थित निवास से मिले कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य



अब पुत्र भी जांच के दायरे में, 15 को फिर होगी इंवायरी

इस हाई प्रोफाइल मामले में अब उनके पुत्र सनत को भी जांच के दायरे में लाया गया है। वसंत विहार स्थित निवास से मिले डिजिटल साक्ष्यों के

बेटे ने दी कई जानकारियां

जानकारी के अनुसार, एसीबी की तकनीकी सेल कई दिनों से सिन्ध्या सिंह की डिजिटल निगरानी और लोकेशन ट्रैक कर रही थी। इसी दौरान तकनीकी सेल को सिन्ध्या सिंह का लोकेशन दिल्ली के वसंत विहार स्थित भारत सरकार के एक अधिकारी के आवास में मिला। इसके बाद एक टीम का गठन कर दिल्ली भेजा गया। एसीबी के मुताबिक, पूछताछ में सनत सिंह ने विनय चौध, विनय सिंह और अपनी मां सिन्ध्या सिंह की वत-अवत संपत्ति की जानकारी दी है।

सिन्ध्या के पुत्र सनत कुमार को
हिरासत में लेकर पूछताछ की।कार्रवाई के बाद एसीबी की जांच में
विनय सिंह और उनकी पत्नी सिन्ध्यासिंह के खिलाफ महत्वपूर्ण
जानकारी मिली है।

चिंताजनक

प्राकृतिक संतुलन से छेड़छाड़ की वजह से उत्पन्न हो रही गंभीर स्थिति

उचित संरक्षण के अभाव में ताजे पानी से गायब हो रहे बड़े जीव

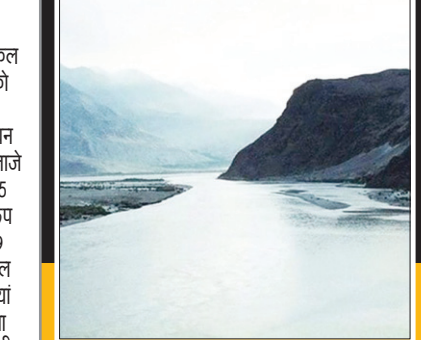
PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्र और उनके घटकों की क्रियाशीलता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पानी के पारिस्थितिक तंत्र का प्रभाव धरती के पारिस्थितिक तंत्र को भी प्रभावित करता है। इसके साथ ही पूरे वातावरण पर भी इसका असर पड़ता है। मानव गतिविधियों के कारण इनके बीच के संबंध बाधित होते हैं। हाल में किए गए विशेष अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है कि भारत की कई नदियों के पारिस्थितिक तंत्र का संतुलन ताजे पानी में रहने वाले बड़े जीवों के उचित संरक्षण के अभाव में बाधित हो रहा है। इसकी वजह से कई बड़े जीव गायब होने लगे हैं। वातावरण में चिंताजनक स्थिति है। लंबे समय तक वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों के अध्ययन में यह सच्चाई सामने आई है। इस अध्ययन में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के शोधकर्ताओं की भी बड़ी भूमिका रही है। जिसमें पहली बार इस संकट को विस्तृत वैज्ञानिक नजरिए से परखा गया है। चेतना दी गई है कि अगर नीतियों में समय पर दिशा नहीं बदली, तो भारत की नदियों की जीव विविधता इतिहास बन सकती है।

खतरों का सामना कर
रहीं 51% प्रजातियां

अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'बायोलॉजिकल कंजर्वेशन' में शोध के नतीजे को विवेक्षण के साथ विस्तार से प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि भारत के ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में 35 प्रमुख प्रजातियां बड़े जीवों के रूप में दर्ज हैं। इनमें 19 मछलियां, 9 सरीसृप और 7 स्तनधारी शामिल हैं। इनमें से 51 प्रतिशत प्रजातियां खतरों का सामना कर रही हैं या उनके अस्तित्व से जुड़ी जानकारी ही अधूरी है। भारत की नदियों में अब भी घड़ियाल, नदी डॉल्फिन और सॉफ्टशेल कछुए जैसे जीव सहअस्तित्व में पाए जाते हैं, पर उनकी संख्या तेजी से घट रही है।

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया अध्ययन

तापमान और
ऑक्सीजन स्तर
में गिरावटरिसर्च में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के
शोधकर्ताओं ने भी निभाई है बड़ी भूमिका

'बायोलॉजिकल कंजर्वेशन' में विश्लेषण के साथ प्रकाशित किए गए हैं शोध के नतीजे

● जीव विविधता को
बर्करार रखने के
लिए समय पर
नीतियों में परिवर्तन
आवश्यक35 प्रमुख प्रजातियों में 19 मछलियां, 9
सरीसृप और 7 स्तनधारी जीव शामिल

भारत की नदियों में बसने वाले ताजे पानी के विशाल जीव जैसे- मछलियां, सरीसृप और स्तनधारी तेजी से गायब हो रहे हैं। ये जीव न केवल पारिस्थितिक संतुलन के सूचक हैं, बल्कि भारतीय प्राकृतिक संपदा में करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर का वार्षिक योगदान भी देते हैं। संरक्षण की नीतियों में इनकी स्थिति अत्यंत कमजोर है। वैज्ञानिकों ने समझाया है कि मुख्य खतरों ओद्योगिक और कृषि अपशिष्ट से जल प्रदूषण, बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं से प्रवाह बाधित होना, जलवायु परिवर्तन से तापमान और ऑक्सीजन स्तर में गिरावट तथा अवैध शिकार और अतिक्रमण शामिल हैं।

NEW DELHI @ PTI :

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नए मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) और आठ सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर लगभग डेढ़ घंटे तक मीटिंग की थी। मीटिंग को लेकर गुरुवार को जानकारी सामने आई। सूत्रों के अनुसार, राहुल ने नियुक्ति पर आपत्ति जताई। उम्मीदवारों की सामाजिक पृष्ठभूमि को लेकर कई सवाल उठाए। इसके बाद अपना असहमति पत्र सौंपा। नेता प्रतिपक्ष ने कुछ हफ्ते पहले सरकार से आवेदकों और

उम्मीदवारों की सामाजिक पृष्ठभूमि को लेकर
उठाए कई सवाल, सौंपा असहमति पत्र

चयनित कैडिडेट्स में सिर्फ एक नाम पिछड़ा समुदाय से

आवेदकों की लिस्ट में सिर्फ 7 प्रतिशत लोग पिछड़े समुदाय से थे। वहीं, चयनित उम्मीदवारों में सिर्फ एक नाम पिछड़े समुदाय से था। राहुल ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और सभी नियुक्तियों के मानदंडों पर सवाल उठाए। चयनित उम्मीदवारों से जुड़ी और जानकारी मांगी। कॉमिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने सूचना के अधिकार के तहत सवाल के जवाब में बताया था कि 21 मई को जारी विज्ञापन के बाद सीआईसी के पद के लिए 83 आवेदन मिले।

चुने गए उम्मीदवारों की जाति की जानकारी मांगी थी। सरकार ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष से इसकी जानकारी साझा की।

BRIEF NEWS

सड़क दुर्घटना में कुंजला के युवक की मौत

KHUNTI : खूंटी- सिमडेगा मुख्य मार्ग पर अंगरावारी स्वास्थ्य उप केंद्र के पास बुधवार की देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दिलीप कुमार नामक 24 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक मुरहू थाना क्षेत्र के कुंजला गांव का रहने वाला। जैसे मूल रूप से उसका परिवार करार थाना क्षेत्र के घासीवारी गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार दिलीप कुमार अपने दोस्तों के साथ कुष्णा ढाबा में किसी का जन्मदिन मना कर वापस अपनी बाइक से कुंजला लौट रहा था। बाबा

आमरेश्वर धाम के पहले स्वास्थ्य उप केंद्र के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इससे घटनास्थल पर ही दिलीप कुमार की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मुरहू थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया।

नष्ट की गई 11 एकड़ में लगी अफीम की फसल



CHATRA : पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार गुरुवार को जिले में अवैध अफीम की खेती के उन्मूलन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में लावालोंग थाना अंतर्गत ग्राम झबरहेट में 10 एकड़ और वशिष्ठनगर थाना अंतर्गत ग्राम झाराजपुर में 01 एकड़ में लगी अफीम की फसल को शुरुआती अवस्था में ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। चतरा पुलिस आमजन से अपील करती है कि अवैध अफीम की खेती न करें तथा किसी भी व्यक्ति को ऐसी गैर-कानूनी गतिविधि करने से रोकने में सहयोग करें।

महाराष्ट्र रवाना हुई महिला कबड्डी टीम

JAMSHEDPUR : झारखंड की महिला कबड्डी टीम गुरुवार को टाटानगर स्टेशन से महाराष्ट्र के लिए रवाना हुई। यह टीम 12 व 14 दिसंबर तक जलगांव में होने वाली पांचवीं फेडरेशन सीनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेगी। स्टेशन पर खिलाड़ियों को नई खेल किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। झारखंड राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष तपन कुमार रावत, भारतीय महासंघ के रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष हरीश सिंह, पूर्वी सिंहभूम जिला के सचिव तिलक राम साहू, प्रशिक्षक रमेश कुमार साहू, पश्चिमी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी तथा कोल्हाण प्रभारी श्यामल दास ने टीम को शुभकामना दी। इसके अतिरिक्त बसंती कुमारी और प्रेम लाल भी इस दौरान उपस्थित रहे। टीम के साथ नेशनल रेफरी के रूप में बोकारो जिला से मनोज शर्मा और रांची से दीपिका कुमारी मौजूद रहें। झारखंड टीम के तकनीकी सदस्य रोहित शर्मा और कुणाल कुशवाहा के साथ प्रशिक्षक जगदेव तथा टीम मैनेजर अनु पूर्ति भी टीम के साथ महाराष्ट्र रवाना हुए।

देवघर एयरपोर्ट पर आज से शुरू होंगी इंडिगो की उड़ानें

DEOGHAR : देशभर के साथ देवघर में भी 4 दिसंबर से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान सेवाएं प्रभावित थीं। अब देशभर के साथ यहां भी उड़ान सेवा सामान्य होने के आसार हैं। देवघर एयरपोर्ट के कार्यकारी निदेशक जाँय बनर्जी ने बताया कि इंडिगो संकेत के कारण 4 से 10 दिसंबर के बीच 9 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं, लेकिन 12 दिसंबर से सभी उड़ानें समय पर संचालित होंगी और यात्रियों को सुविधाएं भी पूर्व की तरह मिलती रहेंगी। उन्होंने कहा कि देवघर एयरपोर्ट से झारखंड ही नहीं, बिहार और पश्चिम बंगाल के हजारों यात्री यात्रा करते हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती भी कर दी है, ताकि किसी भी फ्लाइट में अनावश्यक देरी या कैसिलेशन न हो। यह सुनिश्चित किया गया है कि देवघर से उड़ान भरने वाली कोई भी फ्लाइट बिना टोस वजह के रद्द नहीं होगी। सभी विभागों के ग्राउंड स्टाफ से लेकर ऑपरेशन टीम तक को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि उड़ान सेवाएं 12 दिसंबर से पूरी तरह समयबद्ध रहें।

डॉक्टर से मांगी दवा, फिर बंधक बनाकर लूटा

GIRIDIH : जमुआ थाना इलाके के द्वारपहरी में एक डॉक्टर से लूटपाट की घटना हुई है। उस वक्त डॉ. हरिंदर मॉनिंग वॉक कर अपने घर लौटे थे। गुरुवार की सुबह वे वॉक करने घर से निकलने, टहलने के बाद जैसे ही घर लौटे तो वहां पहले से एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक पहुंचे हुए थे। डॉक्टर के पहुंचते ही एक युवक ने उनसे दवा मांगा और पीछे-पीछे डॉ. हरिंदर के साथ दुकान- सह- मकान के अंदर घुस गया। इसी बीच बाहर खड़े दो अपराधी भी अंदर आ गए। तीनों ने डॉक्टर को बंधक बनाया, फिर धारदार हथियार से वार कर उन्हें घायल करते हुए रुपये के साथ जेवरात लूट लिए। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जमुआ के प्रभारी थानेदार प्रदीप दास पहुंचे और जानबीन शुरू की। अपराधियों का हुलिया लिया गया, फिर आसपास के सीसीटीवी के फुटेज चेक किए। एसपी डॉ. बिमल के निर्देश पर टेक्निकल टीम भी पहुंची और अपने स्तर से छानबीन में जुट गई है।

सरायकेला सहित पांच जिलों में होगा नदियों का कार्याकल्प

क्लीन गंगा मिशन के तहत 62 शहरों का बन रहा रिवर मैनेजमेंट प्लान

PHOTON NEWS RANCHI : विधानसभा में गुरुवार को जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के सवाल पर झारखंड सरकार ने कहा कि नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा द्वारा गंगा नदी तथा बेसिन क्षेत्र के पांच राज्यों में गंगा तथा गंगा बेसिन की सहयोगी नदियों के संरक्षण, पुनरुद्धार और स्थायी प्रबंधन तथा सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से - अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान- बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अगले दो वर्षों में पांच राज्यों के कुल 62 शहरों का यूआरएमपी तैयार किया जाना है। प्रथम चरण में झारखंड के रांची, धनबाद, बोकारो (चास), सारायकेला-खरसावा



(आदित्यपुर), साहेबगंज (राजमहल) का चयन यूआरएमपी बनाने के लिए किया गया है। जदयू विधायक सरयू राय ने राज्य सरकार से मांग की थी कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय की



सर्वजनिक करें और प्राथमिकता के आधार पर शहर नदी प्रबंधन की इन योजनाओं को लागू करें। राय के इस मांग के जवाब में सरकार की तरफ से यह जानकारी दी गई। सरकार की तरफ से बताया गया कि इस कार्य के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स,

सफेद टोपी पहने श्रद्धालुओं से पटी बाबा नगरी बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के पहुंच रहे जत्थे

PHOTON NEWS DEOGHAR : बाबा बैद्यनाथ की नगरी इन दिनों फिर से कारवियों और तीर्थयात्रियों से पट गई है। सिर पर सफेद टोपी, गले में रुद्राक्ष की माला और हाथों में पूजा की थाली लिए श्रद्धालुओं का जत्था शहर की हर गली-चौराहे पर दिख रहा है। ठंड के बावजूद बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और खासकर छत्तीसगढ़ से हजारों यात्री बाबा बैद्यनाथ के दर्शन को पहुंच रहे हैं। सबसे ज्यादा भीड़ छत्तीसगढ़ से आ रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत राज्य सरकार बुजुर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुफ्त तीर्थ यात्रा करा रही है। इस योजना में देवघर और बासुकीनाथ को सबसे ऊपर रखा गया है। यात्रियों ने बताया कि पहली खेप में ही साढ़े आठ



बाबाधाम पहुंचा छत्तीसगढ़ से आए श्रद्धालुओं का जत्था

सौ लोग आए हैं। हर हफ्ते न टूटें आ रही हैं। बुजुर्गों के लिए पूरी व्यवस्था मुफ्त है। रेल यात्रा, रहना, खाना, दर्शन सब कुछ। श्रावणी मेला भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन दिसंबर-जनवरी का मौसम देवघर के लिए दूसरा पीक सीजन है। ठंड में नंदन पहाड़,

निगम ने भी कमर कस ली है। डीसी विशाल सागर के निर्देश पर सभी होटल, धर्मशाला और लॉज में सुरक्षा और साफ-सफाई का विशेष इंतजाम किया गया है। ट्रैफिक पुलिस को मुख्य मार्गों पर तैनात किया गया है ताकि जाम की स्थिति न बने।

नगर निगम आयुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि पर्यटकों की संख्या लाखों में है। इनसे राजस्व भी अच्छा आता है, इसलिए हर सुविधा मुहैया कराई जा रही है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर के पुजारी और स्थानीय दुकानदार भी खुश हैं। एक दुकानदार ने कहा, श्रावणी मेला के बाद यही दो महीने सबसे अच्छे चलते हैं। छत्तीसगढ़, बिहार और बंगाल के यात्री सबसे ज्यादा सामान खरीदते हैं।

रेलवे आरक्षण काउंटर की अव्यवस्था पर भाजपा नेता ने उठाई आवाज

CHAIBASA : रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर में अव्यवस्था और यात्रियों को हो रही परेशानियों को लेकर भाजपा पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री हेमंत कुमार केशरी ने गुरुवार को चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र भेजकर तत्काल सुधार की मांग की है। अपने पत्र में केशरी ने लिखा है कि तत्काल टिकट प्राप्त करने के लिए यात्रियों को उचित व्यवस्था न होने के कारण घंटों परेशानी झेलनी पड़ती है। यात्री सुबह 4 बजे से ही ठंड में लाइन लगाते हैं, जबकि टिकट काउंटर हाल सुबह 8 बजे खोला जाता है। उन्होंने बताया कि तत्काल टिकट के फार्म यात्रियों को से बाहर खड़ा होना पड़ता है, जो अमानवीय प्रतीत होता है। केशरी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने सीनियर कमिश्नरियल मैनेजर से फोन पर भी शिकायत की है।



प्रदेश मंत्री हेमंत कुमार केशरी

वीडियो भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आरक्षण हाल में रेलवे के किसी कर्मचारी की मौजूदगी नहीं रहती, जिसके कारण कई बार यात्रियों के बीच विवाद की स्थिति बन जाती है। साधारण आरक्षण के लिए भी यात्रियों को सुबह 4-5 बजे से बाहर खड़ा होना पड़ता है, जो अमानवीय प्रतीत होता है। केशरी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने सीनियर कमिश्नरियल मैनेजर से फोन पर भी शिकायत की है।

पुलिस की वर्दी में घर में की लूटपाट, नकद व जेवरात ले भागे

DUMKA : देवघर-दुमका जिला की सीमा पर मसलिया थाना क्षेत्र के खुदोजोरी पंचायत के बाराटोल गांव में गुरुवार की सुबह लूट की घटना हुई। निजामुद्दीन अंसारी नामक ग्रामीण के घर में हथियारबंद लुटेरे पुलिस की वर्दी में घुसे और पांच लाख रुपये के नकद और गहने ले भागे। निजामुद्दीन अंसारी ने बताया कि पुलिस की वर्दी में नौ लुटेरे आए थे। लुटेरों ने खुद को मसलिया पुलिस बतकर दरवाजा खुलवाया। जैसे ही दरवाजा खोला गया अपराधियों ने हथियार तानकर सभी को कब्जे में ले लिया। मोबाइल फोन छीन लिया। लुटेरे अलग-अलग कमरों में सो रहे घर के सभी सदस्यों को बंधक बनाकर लूटपाट की। उस वक्त घर में पूरा परिवार मौजूद था। लुटेरे पिस्टल, देसी क्लब और लोहे की छड़ से लेश थे। सभी कार से आए थे और घर के पीछे के रास्ते से अंदर घुसे। अपराधियों ने दो कमरों के ताले भी तोड़े। यहां तक कि मिट्टी के अंदर रुपये छिपाए जाने के शक में दो कमरों में कर्श भी खोद दी, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। यहां बात दें कि दो वर्ष पूर्व भी मसलिया थाना क्षेत्र के ही पटनपुर गांव में पुलिस की वर्दी में लूटपाट की घटना हुई थी।

ड्रोन कैमरे से केंदुआडीह गैस रिसाव का आकलन कर रही सीएमपीडीआई की टीम

PHOTON NEWS DHANBAD : रांची स्थित सीएमपीडीआई (सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड) की एक टीम गुरुवार को केंदुआडीह पहुंची। जियोलाॉजी मैनेजर भुवनेश कुमार गुप्ता और उनकी टीम ड्रोन कैमरों से गैस रिसाव का आकलन कर रही है। इस दौरान क्षेत्र का तापमान और निकलने वाली गैस की मात्रा का भी आकलन किया। यहां गैस रिसाव की घटना को नौ दिन हो गए। वैज्ञानिकों की अलग-अलग टीम गैस रिसाव की स्थिति पर नजर रख रही है, लेकिन स्थिति जस की तस है। भुवनेश गुप्ता ने पत्रकारों को बताया कि अभी मौसम ठंडा है। अधिकतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस है। अगर तापमान सामान्य से ज्यादा होता, तो इसका कारण गैस रिसाव



जानकारी देते जीएम

हो सकता था। लेकिन स्थिति बता रही है कि गैस का व्यापक प्रभाव नहीं पड़ा है। आज जो प्रक्रिया पूरी हुई है, उसे दोहराया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सही आकलन के लिए दूसरी जांच और रिपोर्ट जरूरी है। पूरी रिपोर्ट तैयार करने में 20 दिन लग सकते हैं। **झामुमो की टीम ने किया दौरा :** झामुमो की एक टीम ने गुरुवार को केंदुआडीह में गैस रिसाव से

जम्मू-कश्मीर में शहीद हुआ कोडरमा का लाल



KODERMA : कोडरमा जिले का सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह (27) बुधवार की रात जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद इलाज के दौरान वे शहीद हो गए। सुजीत सिंह कोडरमा जिले के मरकचो प्रखंड स्थित देवीपुर गांव के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, सुजीत सिंह का पार्थिव शरीर गुरुवार शाम तक उनके पैतृक गांव पहुंचा, जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी कर रखी थी। सुजीत सिंह के शहादत की खबर मिलते ही पूरे देवीपुर और आसपास के इलाकों में मातम छा गया। उनके परिजनों और सगे-संबंधियों में शोक का माहौल है। शोक-संतान परिवार को ढाढ़स बंधाने के लिए उनके घर लोगों का आना जारी है।

एसडीओ के खिलाफ वकीलों ने खोला मोर्चा, दी चेतावनी



पत्रकारों से अपनी बात कहते वकील

JAMTARA : जिला अधिवक्ता संघ ने जामताड़ा एसडीओ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वकीलों ने कहा कि एसडीओ कार्यालय में सुधार लाएँ, अन्यथा एसडीओ कोर्ट का बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान वकीलों ने कहा कि कोर्ट में एसडीओ द्वारा समय पर फैसला नहीं सुनाया जाता है। एसडीओ मनमानी करते हैं। उनके आवेदनों पर समय पर सुनवाई नहीं करते हैं। इससे समय पर आदेश पारित नहीं हो पाता है। यदि आदेश पारित हो भी जाता है तो दो-चार महीने बाद जानकारी दी जाती है। मिस-पिटिशन में भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। इस कारण मुकदमों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एसडीओ कार्यालय में कामकाज में हो रही परेशानी और एसडीओ पर मनमानी का आरोप लगाते हुए वकीलों ने जिला अधिवक्ता संघ में लिखित रूप से शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है। इस पर संघ ने बैठक कर एसडीओ के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर शिकायत में सुधार लाने और ऐसा नहीं करने पर एसडीओ कोर्ट का अनिश्चितकालीन बहिष्कार करने का फैसला लिया है।

उपलब्धि देश में पहली बार बड़े पैमाने पर 'चेकर स्टील प्लेट' का हो रहा निर्माण, दस वर्ष पूर्व राउरकेला में होता था उत्पादन

बोकारो स्टील प्लांट ने रचा इतिहास, पहले चरण में बनाए 12 क्वाइल देकर नेपाल भेजे थे 27 बच्चे

PHOTON NEWS BOKARO : भारत के स्टील उद्योग के लिए ऐतिहासिक क्षण आया है। सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) की इकाई बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने पहली बार चेकर स्टील प्लेटों का बड़े पैमाने पर सफल रोलिंग ट्रायल पूरा कर लिया है। पहले चरण में 12 क्वाइल बना लिए गए हैं। यह वही उत्पाद है, जिसका बाजार अब तक देश के छोटे मिलों तक सीमित था। चेकर स्टील प्लेट अपनी फिसलनरोधी सतह, मजबूती और उच्च घर्षण क्षमता के कारण पूरे देश में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होती हैं। इनका उपयोग रेलवे कोच और स्टेशन प्लेटफॉर्म, ओवरब्रिज और सीढ़ियाँ, ट्रक-ट्रेलर और वाहन फर्श, मशीनरी और औद्योगिक प्लेटफॉर्म और शिपिंग एवं पेट्रो-केमिकल सेक्टर में होता है। अब



बोकारो स्टील प्लांट

इन-हाउस क्षमता का प्रमाण : प्रबंधन

इन क्षेत्रों को स्थानीय, उच्च गुणवत्ता वाली चेकर प्लेटों की सप्लाई सुनिश्चित होगी। पहले

ट्रायल में बीएसएल ने 1,250 से 1,500 मिमी चौड़ाई, 5 से 6 मिमी मोटाई की 12 चेकर प्लेट

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगा समर्थन

बीएसएल की यह उपलब्धि राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता मिशन को गति देने वाली है। कार्यकारी निदेशक प्रियरंजन और एके दत्त के नेतृत्व में तैयार की गई टीम ने वह उत्पाद विकसित किया है, जिसे अब तक किसी बड़े भारतीय स्टील संयंत्र ने व्यावसायिक रूप से नहीं बनाया था।

बीएसएल हर माह करेगा 30,000 टन उत्पादन

भारत में चेकर स्टील प्लेट की मांग लगातार बढ़ रही है। इसका राष्ट्रीय मांग 3.6 लाख टन प्रतिवर्ष है। बीएसएल का लक्ष्य 30,000 टन प्रतिमाह है। आर्थिक रूप से भी यह बड़ा कदम है, क्योंकि चेकर प्लेट से प्रति टन सामान्य एचआर कॉइल की तुलना में लगभग 1,500 रुपये अधिक कमाई होती है।

मील का पत्थर बताया। सेल के राउरकेला स्टील प्लांट में कभी चेकर प्लेट का उत्पादन होता था, लेकिन लगभग एक दशक पहले यह बंद हो गया था। अब सेल समूह में केवल बोकारो स्टील प्लांट ने इस तकनीकी क्षमता को पुनर्जीवित किया है।

घरेलू इस्पात उत्पादन को नई दिशा देने वाला कदम

बोकारो स्टील प्लांट की यह उपलब्धि न सिर्फ सेल के लिए गौरव का विषय है, बल्कि राष्ट्र के औद्योगिक ढांचे को मजबूती देने वाला परिवर्तनकारी कदम भी है। रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और ट्रांसपोर्ट जैसे अहम क्षेत्रों को अब उच्च गुणवत्ता वाली चेकर प्लेटों देश में ही उत्पादित करने में मदद मिलेगी, जिससे आयात निर्भरता कम होगी और घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

CHAIBASA : झारखंड में मानव तस्करी का एक नया और खौफनाक चेहरा सामने आया है। पहली बार पश्चिम सिंहभूम के आदिवासी बहुल गांवों से 27 बच्चों को हनुमन्त रहना-खाना और उच्च शिक्षाह का झांसा देकर नेपाल के काठमांडू स्थित हनुमो बुद्ध मेडिटेशन सेंटरह ले जाया गया। हैरानी की बात यह है कि इनमें से करीब 15 बच्चों के परिजन अपने बच्चों को वापस लाना ही नहीं चाहते, जबकि 6 परिवार हर हाल में बच्चों की सुरक्षित वापसी की गुहार लगा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, नारायण कंडायांन नाम के व्यक्ति ने स्थानीय मुंडा राम जाँको के जरिए ग्रामीणों को लुभाया था। परिजनों को बताया गया कि नेपाल में बच्चों को अच्छी शिक्षा, रहना-खाना सब मुफ्त मिलेगा। इस लालच में 27 बच्चे नेपाल भेज दिए गए। लेकिन वहां पहुंचते ही वादे झूठे साबित हुए। हालात देख दो बच्चे दीवार फाँदकर भाग निकले और गांव लौट आए। उनके बयान के बाद पूरा मामला खुला जिले की पुलिस ने तुरंत तीन आरोपियों के खिलाफ मानव तस्करी, आपराधिक षड्यंत्र सहित कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। अब तक 6 बच्चे सुरक्षित लौट आए हैं, जबकि 21 अभी भी नेपाल में हैं। पुलिस मुख्यालय ने पूरी रिपोर्ट मंगवाई है और बच्चों की सकुशल वापसी के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवं आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि यह मानव तस्करी का एक नया रूट है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी कोषों से जांच की जा रही है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

चौराहों के आसपास गाड़ी खड़ी की तो खैर नहीं, स्पेशल बाइक दस्ता तैनात

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। नियम तोड़ने वालों पर न सिर्फ सख्ती बरती जाएगी, बल्कि उन पर जुर्माना भी किया जाएगा। लगातार सड़कों पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्पेशल बाइक दस्ते की तैनाती भी शहर में कर दी गई है। देखा जाता है कि चौक-चौराहों में दायों या फिर बायों मुड़कर अक्सर लोग अपने वाहन को खड़ा कर देते हैं। इसकी वजह से अन्य वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे वाहन चालकों को धड़-पकड़ और कार्रवाई करने के लिए ट्रैफिक पुलिस की ओर से पांच बाइक दस्तों की तैनाती की जा रही है। सड़क किनारे खड़े वाहन चालकों को बाइक दस्ता पकड़ेगी और उनके वाहनों को जल्द करेगी, साथ ही उस पर जुर्माना भी किया जाएगा। रांची ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के अनुसार, दायों-बायां मुड़कर चलकर अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं, जिसकी वजह से उस मार्ग में जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जाम से लोगों को ख़ासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जाम से निजात दिलाने के लिए ही ट्रैफिक पुलिस की ओर से बाइक दस्ता की तैनाती की जा रही है।

राजधानी की यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सक्रिय हुई ट्रैफिक पुलिस नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने के साथ लगाया जाएगा जुर्माना



एक दस्ता में दो पुलिसकर्मियों की तैनाती, ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई

ट्रैफिक एसपी के अनुसार, एक बाइक दस्ता में दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। हर दस्ता को अलग-अलग चौक-चौराहों की जिम्मेदारी दी गई है। उनसे कहा गया है कि वह शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करेंगे और जिन जगहों पर सड़क किनारे बाइक या फिर अन्य वाहन खड़ा मिलता है, तो उस इलाके में तैनात अन्य पुलिसकर्मियों के

सहयोग से दस्ता के लोग कार्रवाई करेंगे। ट्रैफिक की ड्यूटी में लापरवाही बरतने और पैसे का लेन-देन करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्ती कार्रवाई होगी। उनके कार्यों की अहम समीक्षा की जाएगी। ट्रैफिक एसपी ने सभी ट्रैफिक जवानों को हिदायत दी है कि अगर वे काम सही तरीके से नहीं करते हैं, ड्यूटी के दौरान इशर-उशर बटे रहते हैं, तो उसके खिलाफ

पोस्ट के प्रभारी रिपोर्ट करें। रिपोर्ट के आधार पर जवान पर कार्रवाई होगी। वहीं सभी ट्रैफिक डीएसपी को भी निर्देश दिया गया है कि वह प्रतिदिन पोस्ट का आंक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान पोस्ट प्रभारी लापरवाही बरतते हैं या फिर पैसे वसूली करते नजर आए तो प्रभारी को लिखित करने की अनुमति दें, ताकि कार्रवाई की जा सके।

ट्रैफिक पोस्ट के पास ऑटो लगाने पर लगेगी फाइन, दो माह में काटे गए 25,355 चालान

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को कई दिशा निर्देश दिए हैं। उनसे कहा गया है कि किसी भी हाल में ट्रैफिक पोस्ट और चौक-चौराहों के पास टेला-खोमवा लगाने नहीं दें। यहां तक कि ऑटो या फिर टुकटुक भी पार्क नहीं होने दें। किसी भी ट्रैफिक पोस्ट के पास ऑटो-टुकटुक खड़ा होता है तो उनके चालक के विरुद्ध कार्रवाई करें। सड़क पर किसी भी हाल में वाहन खड़ा नहीं होने दें। अगर कोई वाहन खड़ा करता है तो उस पर जुर्माना करें। हर हाल में शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करें। ट्रैफिक पुलिस के दो महीने के आंकड़े बताते हैं कि मोटरवाहन अधिनियम के नियमों के उल्लंघन करने वाले पिछले दो माह में कुल 25,355 चालान काटे गए हैं। सबसे ज्यादा चालान



शहर में तो पार्किंग वाले जौन में काटा गया है, जो जाम के लिए सबसे बड़े कारक होते हैं। यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देश पर शहर में सुव्यवस्थित और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई है। ट्रैफिक एसपी रांची के कार्यालय द्वारा जारी प्रेस बयान के अनुसार, मुख्य रूप से सड़क पर गलत पार्किंग, कार्र किचम वाले वाहन, बिना दबाव सीमा, गलत लाइट फिटिंग, उल्टी दिशा में जाना, टिपल सवारी, बिना अधिकृत झंडे/बोर्ड आदि मामलों में चालान जारी हुए हैं।

BRIEF NEWS

प्रकाशोत्सव के लिए 15 से निकलेगी प्रभातफेरी

RANCHI : खालसा पंथ के संस्थापक सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर से श्री गुरु सिंह सभा के दिशा निर्देशन में अलग-अलग गुरुद्वारों से प्रभातफेरी निकाली जाएगी। श्री गुरु सिंह सभा के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने गुरुवार को बताया कि मिन रोड गुरुद्वारा से 15 दिसंबर से 22 दिसंबर तक सुबह 4.30 बजे से प्रभात फेरी निकालने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि पटना साहिब में होने वाले श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव और नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए संगत का जत्था 24 दिसंबर को पटना श्री हरमंदिर साहिब के लिए रवाना होगा।

बकरी बाजार से निगम ने हटाया अतिक्रमण

RANCHI : रांची नगर निगम की इन्फोर्समेंट टीम ने बकरी बाजार स्थित निगम धर्मशाला के आसपास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। काफी समय से वहां अवैध रूप से बनी अस्थायी दुकानें और झुग्गी-झोपड़ियां खड़ी थीं। रांची फूड लॉग निगम टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी अवैध संरचनाओं को हटवाया और पूरी जमीन को खाली कराया। इस कार्रवाई में 25 से ज्यादा अवैध ढांचे तोड़े गए। निगम ने साफ कहा है कि शहर की सार्वजनिक जगहों और निगम की जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक स्थिति में नहीं हुआ कोई सुधार

बीच शहर में खतरा बनकर मंडरा रही बिजली विभाग की लापरवाही

VIVEK SHARMA @ RANCHI :

बीच शहर में बिजली विभाग की लापरवाही लोगों पर सीधा खतरा बनकर मंडरा रही है। कहीं सड़क के बीचों-बीच बिजली का पोल खड़ा रह गया है, तो कहीं जर्जर हो चुका लोहे का खंभा अब बिजली के तारों के सहारे टिका हुआ है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि लोगों की शिकायत करने के बावजूद विभाग ने अब तक स्थिति सुधारने की कोई कोशिश नहीं की, जिसके कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हरमू में करम चौक के पास सड़क निर्माण पूरा हो चुका है। लेकिन, कार्य पूरा हो जाने के बाद भी बिजली विभाग ने पोल शिफ्ट करने के नियम को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। सड़क का लेवल बढ़ने के बाद खंभा बीच सड़क में आ गया। उसे हटाने या स्थानांतरित करने के लिए विभाग ने एक भी कदम नहीं उठाया। ऐसे में वाहन

लंबे समय से जर्जर हो चुके लोहे के खंभे टिके हुए हैं बिजली के तारों के सहारे

- सड़क बन गई, लेकिन बिजली का पोल शिफ्ट करना भूल गया विभाग
- राजधानी के हरमू और बरिय्यातू में कभी भी ठोस सड़क है बड़ा हादसा



बारिश के समय खतरा ज्यादा, कभी भी गिर सकता है पोल

लोगों ने कहा कि बारिश के दिनों में यह खतरा और बढ़ जाता है। पानी लगते ही तारों और पोल में करंट फैलने का डर रहता है। कई बार ऐसा हुआ भी है कि हल्की बारिश के बाद खंभे में चिंगारी उठती दिखी है। लोग मजदूरी में उन रास्तों से गुजरते हैं और हमेशा डर बना रहता है कि कहीं यह खंभा गिर न जाए या तार टूटकर नीचे न आ जाए। बरिय्यातू में सड़क किनारे झूलते पोल की हालत और भी

वया कह रहे लोग

यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि विभाग की कमजोर कार्यशैली का परिणाम है। सड़क बनने से पहले और दौरान बिजली विभाग को नोटिस भेजा जाता है, ताकि संबंधित पोल या तारों का स्थान बदल दिया जाए। परंतु कई बार विभाग समय पर कार्रवाई नहीं करता, जिससे नई बनी सड़कें और कर्मचारियों की खतरा बन जाती है।

अगर विभाग समय रहते कार्रवाई नहीं करता, तो सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे या उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। किसी बड़े हादसे का इंतजार करना विभाग की नीतियों का हिस्सा बन गया है। पोल शिफ्ट करने का काम मामूली नहीं है, लेकिन यह सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। विभाग को जल्द से जल्द कार्रवाई कर खंभों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना चाहिए।

हाईकोर्ट का आदेश, रिम्स परिसर में जारी रहेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स परिसर में जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान को रोकने से इनकार कर दिया। वहीं संबंधित सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि रिम्स परिसर को अतिक्रमण मुक्त करने की प्रक्रिया जिला प्रशासन जारी रखे। सुनवाई के दौरान रांची डीसी, एसएसपी और बड़गाईं सीओ दस्तावेजों के साथ कोर्ट में उपस्थित थे। सुनवाई के दौरान कुछ हस्तक्षेप याचिकाओं में कई लोगों ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोकने का आग्रह किया था। लेकिन कोर्ट ने इसे मानने से इनकार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने डीआईजी ग्राउंड के निकट स्थित कैलाश कोठी से जुड़े मामले पर अलग से सुनवाई की तारीख तय की



है। कोर्ट ने बीते दिनों कैलाश कोठी को हटाने पर लगी रोक का जिक्र करते हुए कहा कि यह मामला अलग है। रिम्स परिसर में मरीजों के बेहतर इलाज, मूलभूत सुविधाओं और व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर कार्रवाई जारी रहेगी। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गुरुवार को यह सुनवाई की। बजा दें कि पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने रिम्स परिसर से अतिक्रमणकारियों को 72 घंटे में जगह खाली करने का आदेश दिया था।

52 हजार एकड़ भूमि में की गई मोटे अनाजों की खेती के एवज में मिल रही प्रोत्साहन राशि

किसानों को बड़ी राहत : 35 हजार खातों में डीबीटी के माध्यम से आज भेजे जाएंगे 15.6 करोड़ रुपये

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड सरकार ने मिलेट मिशन से जुड़े किसानों के लिए बड़ी राहत देने की घोषणा की है। राज्य के लगभग 35 हजार किसानों के बैंक खातों में 12 दिसंबर को डीबीटी के माध्यम से 15.6 करोड़ रुपये की राशि भेजी जाएगी। यह राशि किसानों द्वारा 52 हजार एकड़ भूमि में की गई मोटे अनाज (मिलेट) की खेती के एवज में दी जा रही प्रोत्साहन राशि है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने कहा कि सरकार ने मिलेट मिशन को मजबूत बनाने के लिए किसानों

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकी बोलीं- प्रति एकड़ प्रोत्साहन के रूप में दिए जा रहे ₹3000



को मोटे अनाज की खेती पर प्रति एकड़ 3 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया है।

उत्पादन में बढ़ रही कृषकों की रुचि

कृषि मंत्री ने बताया कि झारखंड में मोटे अनाजों की खेती लगातार बढ़ रही है और किसानों की इस दिशा में रुचि भी बढ़ी है। सरकार का दावा है कि मिलेट मिशन के माध्यम से न सिर्फ किसानों को आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य के

पोषण स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर दिखाती हैं। किसानों के खातों में सीधे राशि हस्तांतरण होने से पारदर्शिता और लाभ की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

इस योजना का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, पोषक

आहार को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।

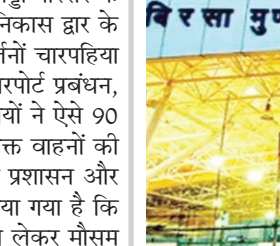
अलर्ट सीआईएसएफ और अन्य एजेंसियों ने 90 वाहनों को किया चिह्नित

अनधिकृत वाहनों से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट की सुरक्षा को खतरा

PHOTON NEWS RANCHI :

कई अनधिकृत वाहनों की वजह से राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डा (रांची एयरपोर्ट) की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया है। हवाई अड्डा परिसर के आसपास खासकर प्रवेश एवं निकास द्वार के आसपास, एयरपोर्ट से हिन्नु तक दर्जनों चारपहिया गाड़ियों खड़ी रहती हैं। रांची एयरपोर्ट प्रबंधन, सीआईएसएफ और सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे 90 वाहनों को चिह्नित किया है। उक्त वाहनों की सूची एयरपोर्ट प्रबंधन ने जिला प्रशासन और ट्रैफिक एसपी को सौंप दी है। बताया गया है कि एयरपोर्ट टर्मिनल भवन के सामने से लेकर मौसम विभाग कार्यालय तक सड़क के दोनों ओर अनधिकृत वाहन (अवैध पार्किंग वाले) कभी भी अप्रिय घटना का कारण बन सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इस पर विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी है। सड़क किनारे अवैध पार्किंग की वजह से वांछनीय मूवमेंट असुरक्षित हो सकता है। एयरपोर्ट के साथ-साथ मौसम विभाग केंद्र की सुरक्षा को भी इन अनधिकृत वाहनों से खतरा है।

जिला प्रशासन और ट्रैफिक एसपी को प्रबंधन ने सौंपी ऐसे वाहनों की सूची सड़क किनारे अवैध पार्किंग से वीवीआईपी मूवमेंट हो सकता है असुरक्षित



बम से उड़ाने की कई बार मिल चुकी है धमकी

बता दें कि रांची एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी कई बार मिल चुकी है। इसे देखते हुए जल्द ही एयरपोर्ट पर विस्क रिस्पांस टीम (व्यूआरटी) की तैनाती होगी। गत वर्ष 28 अक्टूबर को दिन के करीब तीन बजे 'एक्स' हंडल पर विस्तार के विमान को उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके पूर्व 11 मई 22 अक्टूबर और 25 सितंबर को भी धमकी मिली थी। इस वर्ष भी दो धमकियां मिल चुकी हैं। अति संवेदनशील श्रेणी की सूची में शामिल होने के बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। कुमार ने बताया कि दिल्ली में विस्फोट की घटना के बाद रांची एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर बैठक हुई थी।

इस योजना का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, पोषक

झारखंड के विकास को लेकर विशेषज्ञों ने किया मंथन, तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड के गठन के 25 वर्ष पूर्व होने के अवसर पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'समृद्ध एवं समावेशी झारखंड की ओर: दृष्टि और रणनीति' का शुभारंभ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (स्किपा) में हुआ। इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट और स्किपा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में शीर्ष नीति-निर्माता, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि शामिल हुए। रोजगार और समावेशन पर जोर : प्रो. महेंद्र देव ने कहा कि झारखंड ने जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में प्रगति की है। लेकिन औपचारिक रोजगार, महिला श्रम सहभागिता और गरीबी जैसी चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि



नए रोडमैप पर जोर

आईएचडी के निदेशक प्रो आलख पन. शर्मा ने स्वागत भाषण में बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य झारखंड की अब तक की विकास यात्रा की समीक्षा कर आगे के लिए टोस नीति-रोडमैप तैयार करना है। जिससे कि ग्रामीण-शहरी और आदिवासी-गैर आदिवासी असमानताओं को दूर किया जा सके।

श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक डॉ. मनीष रंजन ने प्रमुख अतिथियों डॉ. मोटेक सिंह अहलुवालिया और प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस महेंद्र देव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन झारखंड के न्यायपूर्ण एवं तीव्र विकास के लिए दिशा तय करेगा।

समाचार सार

बनते ही उखड़ने लगी गोइलकेरा-सेरेंगदा सड़क

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड में गोइलकेरा से सेरेंगदा के बीच 120 करोड़ की लागत से सड़क बन रही है। पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 30 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण खूंटी के ठेकेदार विजय कुमार साहू द्वारा कराया जा रहा है। मार्ग में होरो गांव के पास सड़क पर अलकतरा बिछाया जा रहा, लेकिन निर्माण का आलम यह है कि यह सड़क बनने के साथ ही उखड़ रही है। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि ग्रामीण हाथ से ही सड़क की परत को उखाड़ रहे हैं। इस संबंध में अभी तक किसी जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारियों की प्रतिक्रिया नहीं आई है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले इसी मार्ग में घोड़ादूबा के पास भी सड़क के घटिया निर्माण को लेकर जमकर बवाल हुआ था। इसके बावजूद इस सड़क के निर्माण में गुणवत्ता गायब है।

मधुसूदन स्कूल में हुआ सम्मान-सह-विदाई समारोह

CHAIBASA : चक्रधरपुर के आसनतलिया स्थित मधुसूदन विद्यालय में गुरुवार को मधुसूदन जयंती पर सम्मान-सह-विदाई समारोह हुआ। इसमें सरकारी शिक्षक के रूप में चयनित एवं नवनिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें लक्ष्मी कुमारी, मंतीष कुमार महतो, प्रेमलाल महतो, अभिषेक महतो, वाथोलोमियस कंडुलान और मनीष सोट शामिल थे। विद्यालय के पूर्व छात्र नीरज कंडी, जो 11वीं-13वीं बैच के जेओएससी में उपसमाहर्ता के रूप में नियुक्त हुए हैं, को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव लक्ष्मण महतो, प्रभात कुमार महतो, कमलेश कुमार महतो, विद्यालय के चैयरमैन बीके हिंदवार, निदेशक नृपेंद्र महतो, प्राचार्य के. नागराजू सहित सभी शिक्षकों ने मधुसूदन महतो की प्रतिभा पर माल्यार्पण किया।

मानगो में स्मार्ट मीटर लगाने का हो रहा विरोध

JAMSHEDPUR : मानगो में स्मार्ट मीटर (प्री-पेड मीटर) का जोरदार विरोध शुरू हो गया है। यहां स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अचानक हुई भारी बढ़ोतरी की वजह से स्थानीय लोगों में गुस्सा है। गुरुवार को विधायक सरयू राय के प्रतिनिधि पप्पू सिंह ने बिजली विभाग के जीएम को शिकायती पत्र सौंपा और स्मार्ट मीटर हटाने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। पप्पू सिंह ने कहा कि अगर 72 घंटे के भीतर स्मार्ट मीटर नहीं हटते, तो जनता सड़क पर उतर कर बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी। पप्पू सिंह ने इलजाम लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद मानगो के सैकड़ों परिवारों के बिजली बिल कई गुना बढ़ गए हैं। इसकी वजह से लोग आर्थिक संकट में आ गए हैं। उन्होंने मांग की कि स्मार्ट मीटर फौरन हटाकर पुराने एनालॉग मीटर लगाए जाएं। इस दौरान मुकेश सिंह, सौनक, नीरज सिंह, बाला प्रसाद, ममता सिंह, अमृता मिश्रा, राजू सिंह, वीरू सिंह, वैभव सिंह, मंदू शर्मा, लालू गौड़, आजाद सिंह, छोट्टू कुमार, राजदीप कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

साधु समाज से कंबल वितरण का हुआ आरंभ



JAMSHEDPUR : शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था हर हर महादेव सेवा संघ ने अपने वार्षिक कंबल वितरण सेवा अभियान के 25वें वर्ष का प्रारंभ साधु समाज से किया। संस्था के संस्थापक अमरजीत सिंह काले ने कहा कि हमारी कंबल सेवा औपचारिकता नहीं, मानवता के प्रति हमारा संकल्प है। आने वाले दिनों में हम शहर के विभिन्न क्षेत्रों, बस्तियों, ग्रामीण इलाकों और जरूरतमंद परिवारों तक कंबल पहुंचाते रहेंगे। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ पत्रकार बुजभूषण सिंह, संस्था के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह निक्कू, जयप्रकाश राय, जिगेंद्र चावला, रामकेवल मिश्रा, रावेंद्र शर्मा, बंटी सिंह, रूपेश झा, के विपनाथ राव, संदीप कुमार सिंह, स्वाती मित्रा, जगुन पांडे, बिभास मजूमदार, तिका श्रीवास्तव, सर्वजीत सिंह टोबी, शेखर मुखी, बिनाद भिरभरिया, आकाश गोप एवं अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

खनन कार्यों के 100 साल पूरा होने पर टाटा स्टील ने मनाया जश्न

PHOTON NEWS CHAIBASA : टाटा स्टील, नोवामुंडी ने गुरुवार को अपने खनन कार्यों के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत- 100 साल फिर से जीना : नोवामुंडी की गाथा- नामक ऑडियो-विजुअल फीचर की स्क्रीनिंग के साथ हुई, जिसमें नोवामुंडी के दशकों के बदलाव को दिखाया गया। टाटा स्टील के महाप्रबंधक, अयस्क खान और खदानें, अतुल भटनागर ने नोवामुंडी के एक मॉडल खनन स्थल बनने के पुराण पर प्रकाश डाला। अतीत के पन्ने- नामक एक भावुक खंड ने वर्तमान और पूर्व नेतृत्व की अमूल्य यादों को जीवंत कर दिया। टाटा स्टील के वीपी- कॉर्पोरेट सर्विसेज डीवी सुंदर



कार्यक्रम में बोलेले सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन

रामम, जो पहले वीपी- रॉ मैटेरियल थे, ने नोवामुंडी में काम करने के दौरान वाले अनुभव साझा किए। इसके बाद पूर्व अधिकारियों एएम मिश्रा और एडी बैजल के किस्से सुनाए गए, जिन्होंने नोवामुंडी की खनन यात्रा के महत्वपूर्ण अध्येयों और इसे आकार देने वाले लोगों को याद

किया। उत्सव का मुख्य आकर्षण टीवी नरेंद्रन, सीईओ और प्रबंध निदेशक, टाटा स्टील, संदीप कुमार, वीपी-रॉ मैटेरियल, टाटा स्टील ने स्मृति चिह्न और कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। कॉफी टेबल बुक, नोवामुंडी की 100 साल की यात्रा का एक दृश्य और कथात्मक इतिहास है।

खुशखबरी सभी आउटसोर्स स्टाफ ने संभाल ली जिम्मेदारी, जल्द होगी विशेषज्ञ चिकित्सक की नियुक्ति

घाटशिला में ट्रॉमा सेंटर शुरू करने की तैयारी तेज

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला में बहुप्रतीक्षित ट्रॉमा सेंटर शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए 40 से अधिक स्टाफ की मांग को स्वीकार कर लिया गया है। विशेषज्ञ चिकित्सक की भी जल्द नियुक्ति की जाएगी। विशेषज्ञ चिकित्सक की नियुक्ति होने तक विभाग द्वारा आउटसोर्स पारा-मेडिकल स्टाफ ने जिम्मेदारी संभाल ली है, जिसमें फार्मासिस्ट, ड्रेसर, रेडियोग्राफर, लैब टेक्निशियन सहित अन्य कर्मचारी हैं।



घाटशिला स्थित ट्रॉमा सेंटर

प्राथमिक उपचार देने की प्रक्रिया पहले से सुव्यवस्थित हो गई है। स्वास्थ्य विभाग से अब तक जो आउटसोर्स स्टाफ मिले हैं, उनमें फार्मासिस्ट सुमित दास, ड्रेसर बिरेंद्र कुमार सिंह और विश्वजीत पाल, रेडियोग्राफर

अनुमंडल अस्पताल में जितने चिकित्सक पदस्थापित हैं उनके द्वारा वर्तमान में दुर्घटनाओं में घायलों और गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार व रेफर की प्रक्रिया पूरी की जाती है। ट्रॉमा सेंटर में जो जरूरी विशेषज्ञ डॉक्टर चाहिए, वे अब तक नहीं मिले हैं। केवल पारा-मेडिकल स्टाफ ही मिले हैं।

- डॉ. आरएन सोरेन, चिकित्सा प्रभारी, अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला

पुरे जिले में विशेषज्ञ चिकित्सक का भारी अभाव है। विभाग से जिले को जरूरत के हिसाब से चिकित्सक उपलब्ध कराने की मांग की गई है। जैसे ही जिले को उचित संख्या में चिकित्सक मिलेंगे, उन्हें जरूरी स्थानों पर सेवा के लिए भेजा जाएगा। वर्तमान में ट्रॉमा सेंटर घाटशिला और बहरागोड़ा को संबन्धित अस्पताल में तैनात चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार और गंभीर मरीजों को रेफर करने का निर्देश दिया गया।

- डॉ. साहिर पॉल, सिविल सर्जन

चोरी करते हुए किसी ने खींच ली थी तस्वीर, चार आरोपी पकड़ाए

डाला टैंपो व चोरी का सामान हुआ बरामद, आरोपियों को जेल भेजने की चल रही तैयारी 60 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ छह ड्रग्स पैडलर गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR :

छोटगोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जोजोबेड़ा में शिव मंदिर के पास निर्माणधीन मकान में 10 दिसंबर को चोरी हुई थी। चोर यहां से गेट, ग्रिल, एंगल आदि ले गए थे। जब वे चोर चोरी कर रहे थे, तभी किसी ने उनकी फोटो खींच ली थी। इसी फोटो के सहारे चोरों की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस ने गुरुवार को चोरी की इस घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी के सामान के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में परसुडीह थाना क्षेत्र के बारीगोड़ा का रहने वाला संजय, जोजोबेड़ा शिव मंदिर के पास का रहने वाला नीरज कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ बिल्ला और प्रेम कुमार हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी गया घर का गेट, ग्रिल, एंगल और डाला टैंपो बरामद कर लिया है। इसी डाला टैंपो



जब्त किया गया डाला टैंपो

का इस्तेमाल चोरी की घटना में किया गया था। चोर गेट, ग्रिल, एंगल डाला टैंपो में लाल कर ले गए थे। गोविंदपुर थाना की पुलिस ने बताया कि जब यह लोग चोरी कर रहे थे तो किसी ने उनकी फोटो खींच ली थी। फोटो में आरोपी साफ नजर आ रहे थे। घटना की तफतीश के दौरान पुलिस को यह फोटो मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और फिर उनके घरों में छापामारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने चांों को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

PHOTON NEWS JSR :

मानगो और सीतारामडेरा थाना पुलिस ने गुरुवार को मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दोनों थाना पुलिस ने 60 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ 6 ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है। कुल 7400 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। डीएसपी हेड क्वार्टर-1 भोला प्रसाद ने गुरुवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि मानगो पुलिस को सूचना मिली थी कि मानगो ब्रिज के बगल में दुर्गा मंदिर के पास बनी सरकारी दुकानों के पास कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इस सूचना पर उनके नेतृत्व में फौरन एक टीम गठित हुई। इस



गिरफ्तार आरोपी के साथ पुलिस पदाधिकारी

फोटोन न्यूज

हावड़ा ब्रिज के पास से दो अपराधी गिरफ्तार

सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी हेडक्वार्टर के नेतृत्व में स्टेन रोड पर हावड़ा ब्रिज के पास छापामारी की गई। छापामारी में सीतारामडेरा थाना प्रभारी निरजन कुमार भी शामिल थे। पुलिस ने यहां से सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के देव नगर राजेंद्र आश्रम के पास रहने वाले बादल बनिया और इसी थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर आने वाले गौरव राम को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 15 पुड़िया ब्राउन शुगर और 750 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सभी आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद, उन्हें जेल भेजा गया है। बादल बनिया के खिलाफ सीतारामडेरा थाने में चार केस और गौरव राम के खिलाफ पांच केस दर्ज हैं। गौरव राम टकला हत्याकांड में जेल गया था और अभी बेल पर बाहर है।

टीम में मानगो के थाना प्रभारी नित्यानंद प्रसाद भी थे। पुलिस की

टीम ने स्वर्णरेखा नदी किनारे बनी बाजार समिति की दुकानों के पास

पति से विवाद के बाद महिला ने लगा ली फांसी

JAMSHEDPUR :

सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के सुपरवाइजर प्लेट में एक महिला ने खुदकुशी कर जान दे दी है। बताया जाता है कि सारिका देवी (43) नामक महिला ने बुधवार को खाना बनाया और अपने पति लोकविजय के साथ खाना खाया। लोकविजय टाटा स्टील कर्मी हैं। खाना खाने के बाद सारिका और पति में झगड़ा हो गया। इसके बाद महिला ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

परिजनों ने फौरन महिला को फंदे से उतार कर टीएमएच पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। महिला को 20 साल की एक बेटी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद पता चल सकेगा की आत्महत्या का असली कारण क्या है।

PHOTON NEWS JSR :

समाहरणालय सभागार में गुरुवार को आकांक्षी जिला पूर्वी सिंहभूम के केंद्रीय सचिव महावीर प्रसाद के संयुक्त सचिव महावीर प्रसाद ने समीक्षा बैठक की। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम जिले में चलाए जा रहे मिशन उल्लास और सिक्कुई-दिकुई अभियान की संयुक्त सचिव ने सराहना की और कहा कि इसका लाभ जिले को मिलेगा। उन्होंने कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिला तेजी से विकास कर रहा है और आकांक्षी जिले के सभी इंटीकेटर्स पर बेहतर काम किया जा रहा है। इस मीटिंग में जिले के प्रमुख सुकांकों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, वित्तीय समावेशन, जल संसाधन, कौशल विकास और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में जिले के प्रदर्शन का अध्ययन



समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक करते मातृ सहायक के संयुक्त सचिव

किया गया। संयुक्त सचिव ने विभागवार आई रिपोर्ट को सुना और योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह जिला जिस तेजी से काम कर रहा है, जल्द ही आकांक्षी जिले की श्रेणी से बाहर आ जाएगा। जिला प्रशासन ने सबर समुदाय के सर्वे, मिशन उल्लास के तहत मिर्गी मरीजों की मुफ्त जांच व परामर्श दिया जा रहा है। सिक्कुई-दिकुई अभियान में शिक्षा में गुणात्मक सुधार जैसी नई पहल को जानकारी संयुक्त सचिव को दी।

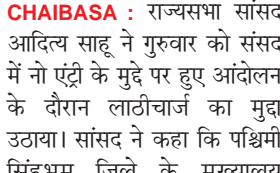
इन प्रयासों की सराहना करते हुए संयुक्त सचिव ने कहा कि जिले में जिस तरह योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन हो रहा है, उससे पूर्वी सिंहभूम जल्द आकांक्षी जिलों की श्रेणी से बाहर आ सकता है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता, जन-सेवा का भावना और पात्र लाभकों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर सक्रिय पहल से ही नागरिकों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार मुमकिन है।

आंटों में लगी आग बुझाने के दौरान झुलसा वालक

CHAIBASA :

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत गोपीनाथपुर गांव में मंगलवार की रात आंटों में लगी आग बुझाने के दौरान चालक झुलसा गया। बुधवार की सुबह परिजनों ने घायल को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया। जानकारी के मुताबिक गोपीनाथपुर गांव निवासी मुकेश महतो रोजाना की तरह आंटों चलकर घर लौटा और घर के बाहर आंटों को खड़ी कर सो गया। इस दौरान आधी रात को अज्ञात व्यक्तिओं ने आंटों में आग लगा दी। जैसे ही आंटों जलने लगी, वैसे ही आंटों चालक मुकेश महतो और उसके परिजन घर से निकले और आग बुझने लगे। आग पर पानी डालने के दौरान मुकेश आग की चपेट में आ गया। चिकित्सकों के अनुसार, मुकेश महतो 30 प्रतिशत झुलसा गया है। मुकेश महतो ने बताया कि घटना कैसे हुई इसके बारे में मुझे पता नहीं है।

संसद में साहू ने उठाया नो-एंट्री आंदोलन को कुचलने का मुद्दा



CHAIBASA : राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने गुरुवार को संसद में नो एंट्री के मुद्दे पर हुए आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। सांसद ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाईबासा स्थित तांबो चौक क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और स्थानीय आदिवासी-हो समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोगों ने 27 अक्टूबर को नो-एंट्री लाभू करने की मांग के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। परंतु जनहित के इस आंदोलन को प्रशासन ने कठोरता से दबाया और प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इस घटना में 74 नामजद और 500 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया। 17 निर्दोष, जिसमें 10 पुरुष और 7 महिलाएं थीं, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इससे पूरे जिले में



भारी आक्रोश है। घटनाक्रम के दौरान स्थानीय विधायक एवं झारखंड के परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा की उदासीनता और जनता की समस्याओं से दूरी ने असंतोष को और गहरा किया। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा जब हो समाज के प्रतिनिधियों के साथ न्याय की मांग को लेकर उपायुक्त को जापन देने पहुंचे, तो उपायुक्त ने अभद्र व्यवहार किया। इस घटना ने आदिवासी समाज की भावनाओं को गंभीर रूप से आहत किया है। सांसद ने कहा कि पूरे घटनाक्रम को निष्पक्ष, स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

पुलिसकर्मी के घर में चोरी लाखों के सामान उड़ाए



CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां अज्ञात चोरों ने सहायक पुलिस प्रमिला ओड़ा के घर को निशाना बनाया। चोरों ने नगद 17 हजार रुपये, सोने का मंगलसूत्र, तीन जोड़े चांदी के पायल, एक जोड़ा सोने की बाली, सोने का चार पीस लॉकेट, चांदी का दो जोड़ा कड़ा और कांसा के बर्तन चोरी कर लिए। प्रमिला ओड़ा पिछले 20 दिनों से अपनी मां के साथ चाईबासा में झपूटी कर रही थीं और बुधवार को ही घर आई थीं। उन्होंने बताया कि 20-30 दिनों से घर में कोई नहीं था, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। आनंदपुर थाना की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आशवासन दिया है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना से झलके में दहशत फैल गई है। लोग अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

अभाव में जीना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना : अशोक भगत

PHOTON NEWS JSR :

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में गुरुवार को दर्शन, मानवता एवं समाजसेवा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यान हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पद्मश्री अशोक भगत थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अभाव में जीना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना है। यदि हम वास्तव में मानव हैं, तो हमें प्रकृति और दूसरों की पीड़ा को समझना सीखना चाहिए। वसुधैव कुटुम्बकम केवल वाक्य नहीं, बल्कि जीवन जीने का मार्ग है। जब मनुष्य प्रकृति को अपना साथी बना लेता है, तब वेदांत दर्शन प्राकार हो उठता है। इसी क्रम में प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक



को-ऑपरेटिव कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में मंचातील अतिथि

होता है, जब वह सादगी, संवेदना और सेवा के मार्ग को अपनाता है। दर्शन केवल बौद्धिक अभ्यास नहीं, बल्कि समाज के कल्याण में अपना कर्तव्य निभाना है। उन्होंने बाबा अशोक भगत के जीवन को जीवंत दर्शन बताते हुए कहा कि उनके जीवन में त्याग, प्रेम और सरलता का अद्भुत समन्वय है। वे आधुनिक युग के उन व्यक्तित्वों में हैं, जिन्होंने प्रकृति और समाज के बीच नैतिक संतुलन स्थापित किया है। विषय प्रवेश कराते हुए संयोजक डॉ. डुमरेंद्र राजन ने

कहा कि अशोक भगत बुद्ध, टैगोर और गांधी की परंपरा के सच्चे वाहक हैं। दर्शन सदैव यह सिखाता है कि मानवता के लिए बलिदान ही श्रेष्ठ ज्ञान है—सुकरत से लेकर अशोक भगत तक यह परंपरा जीवित रही है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वाति सोरेन व डॉ. पारकल बेक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. किरण दुबे ने किया। कार्यक्रम में एनसीसी केडेट्स, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

जानकारी

क्यों आते हैं खरटि?

दि नभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खरटि आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खरटि आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। खरटि से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान

समय पर न सोने की वजह से भी आ सकते हैं खरटि। बढ़ता वजन भी खरटि की वजह बनता है। अनेहल्दी लाइफस्टाइल से भी खरटि आते हैं। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खरटि आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खरटि आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। दिन भर की थकान या और भी कई दूसरे कारण खरटिों की समस्या को पैदा कर देते हैं। क्या आपने भी अपने खरटिों से दूसरों की नींद खराब कर रखी है या किसी के खरटिों से रोजाना आपकी नींद खराब हो रही है, तो नीचे दिए गए इन टिप्स को अपनाएँ, लेकिन उससे पहले जानें कि खरटिों की इतनी अजीबोगरीब आवाजें आती क्यों हैं? इसका कारण (Snoring Causes) है आपके शरीर को ऑक्सिजन पहुंचाने वाली रास्तों का संकरा होना। इसमें आपके गले का पिछला हिस्सा संकरा हो जाता है, इस वजह से ऑक्सिजन संकरी जगह से होती हुई शरीर में पहुंचती है, जिससे आसपास के टिश्यू वाइब्रेट होते हैं और इससे आवाजें निकलती हैं।

इन 5 तरीकों से जानें कैसे रोके खरटि?



वजन कम करके

कभी-कभार गले में चर्बी के बढ़ने की वजह से भी खरटि आते हैं, क्योंकि इससे गले के जरिए शरीर में जाने वाली हवा गले के टिश्यू में कंपन पैदा करती है।

शराब न पीकर

कई लोगों को शराब की वजह से भी खरटि आते हैं। इसीलिए सोने के दो से तीन घंटों पहले शराब न पिएं।

समय पर नींद लेकर

बेवक्त सोने वाले लोगों में भी खरटि लेने की समस्या होती है, इसीलिए रोजाना नियमित रूप से सोने का समय तय करें और 7 से 8 घंटों की नींद लेनी चाहिए।

दमा और सर्दी ठीक करके

अस्थमा और सर्दी से परेशान लोगों को भी खरटि की परेशानी होती है, क्योंकि उनकी स्वास नली संकरी हो जाती है जिससे गले से आवाजें आती हैं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाकर

खराब डेली लाइफ की वजह से भी खरटिों की परेशानी होती है। बेवक्त खाना-पीना, ठीक से आराम न करना, सिगरेट आदि भी खरटिों की वजह बनते हैं।

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा



मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलेनिंगेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता है। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती है, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता है। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य स्रोतों से आ सकता है। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी अनुवांशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल है। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बर्गाफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर निबंध समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्कन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा** - अगर आपकी त्वचा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो डार्क शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक-लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास** - एक या एक से अधिक गंभीर बिलस्टेरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- **यूवी रेज का जोखिम**
- **भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना**
- **मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास**

जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा
शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में अनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग व्यक्तियों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च अनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

सेहत

तेजी से लोकप्रिय हो रही घी कॉफी, जानिए इसके फायदे

प्राचीन काल से घी का उपयोग भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। कॉफी में घी डालने से इसके गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। जैसे - यह वजन घटाने में मदद करता है। बटर कॉफी की तुलना में घी कॉफी बहुत अधिक पौष्टिक और मीठी मानी जाती है।

जानिए घी कॉफी के फायदे

एरिडिटी से रक्षक: बहुत से लोगों को खाली पेट कॉफी पीना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इससे एरिडिटी होती है, लेकिन इसमें थोड़ा-सा घी डालने से एरिडिटी और जलन से राहत मिलती है। घी मिलाने से कॉफी ब्यूटिरिक एसिड और ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और हेल्टी मेटाबॉलिज्म में मदद करता है।
वजन घटाने में सहायक: अगर आप कीटो डाइट पर हैं तो सुबह घी कॉफी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। यदि आपका शरीर कीटोसिस में नहीं है और आप घी कॉफी पी रहे हैं, तो वजन बढ़ेगा। यानी जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं, वो इस तरह लाभ ले सकते हैं। कॉफी संतुष्टि प्रदान करती है और घी में शुन्य कार्बोहाइड्रेट होता है। साथ ही ओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड वजन कम करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं।
गुड में सुधार: घी में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड तंत्रिका ऊतक (नर्व टिश्यू) की वृद्धि और कार्य के लिए फायदेमंद होता है। यह हार्मोन उत्पादन में सुधार करती है, जिससे मूड स्थिर और खुश रहता है।
लैक्टोज का विकल्प: घी उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो लैक्टोज का सेवन नहीं कर पाते हैं, क्योंकि घी में दूध के ठोस पदार्थ और प्रोटीन होता है। यह मक्खन की तुलना में आसानी से पचता है।
अधिक ऊर्जा: वैसे भी कॉफी ऊर्जा बढ़ाती है और फोकस (ध्यान) में मदद मिलती है। घी के कारण इसकी ऊर्जा बढ़ाने वाले गुण दोगुना हो जाते हैं। कॉफी में कैफीन होता है, जो ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।
ऐसे बनाते हैं घी कॉफी
घी कॉफी बनाना बहुत आसान है। आप जिस भी ब्रांड की और जैसे भी (लाइट या डार्क) कॉफी पीते हैं, उसमें एक या दो चम्मच शुद्ध घी मिलाएं। घी की यह मात्रा कॉफी की मात्रा पर निर्भर करती है। स्वस्थ आहार के साथ इसे पिएं।

एक चम्मच घी में क्या-क्या होता है

- यूपस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर (यूएसडीए) के अनुसार एक चम्मच घी में निम्न न्यूट्रिशन होते हैं:
- कैलोरी**: 150
- वसा**: 17 ग्राम
- संतृप्त वसा**: 10 ग्राम
- असंतृप्त वसा**: 7 ग्राम
- कार्बोहाइड्रेट**: 0 ग्राम
- सोडियम**: 0 मिलीग्राम
- लौह**: 0 ग्राम
- फाइबर**: 0 ग्राम
- प्रोटीन**: 0 ग्राम
- कैलोरी**: 25 मिलीग्राम



टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चूंचे चो ला ली
जूले लो आ
आज का सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएँ। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी चूंचे चो
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझन रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हारवी रहेंगे। मेहनतों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन
का की कूच उ
छ के को हा
श्रेष्ठजनों की सहायता मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। वृद्धि, बल व परक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

कर्क
ही दूहे हो डा
डी दूडे डो
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएँ फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से सम्मान भी होगा। अपने काम पर पनी नजर रखें। स्वभाव में सौम्यता आपको मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

सिंह
जा मी मू चे मो
रा दी दू दे
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिनाहल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कुम्भ
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बलें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिनाहल टालें। शुभांक-4-6-8

मकर
मे ना जी खी खू
खे खो ग नी
सख्तारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिलत रहे अवसरों का लाभ उठाएँ। आर्थिक योजनाएँ फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगा। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन
दी दू ध ज्ञ ज दे
दो चा घी
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संभव होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चतुर्नैती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3737

16	11	3	16	10	17
17	30			11	
16	17		3	12	
14		29	17	6	
24				15	10
22				6	
11	6		12	3	
3					4
11			6		
4			3		

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएँ से बाएँ की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खाने चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

काकुरो - 3736 का हल

3	1	2	10	9	30	8	4			
6	3	1	2	17	8	9	3	2	1	
7	4	3	7	19	1	6	29	5	3	
3	1	2	3	1	2	7	6	1		
15	3	4	8	17	8	9	10	4		
11	9	2	23	9	2	8	2	1	3	
24	8	7	9	16	4	1	3	3	2	1
13	15	6	7	7	2	1	4			
17	8	9		5	2	3				

उदाहरणतः

1	2	3	4	6
6	5+6+7+8+9=35			
8	4+6+7+8+9=34			
9	5+7+8+9=29			
	6+7+8+9=30			

लॉफिंग जॉब

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है। तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आती... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो। प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हें जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ। भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3737

1	2	3	4	5	6
		7		8	
	9				
10		11	12	13	
		14		15	
16	17		18		
		19	20	21	
		24		25	
	26	27	28		
29			30		

ऊपर से नीचे:-

- नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-2
- करणधर, मनीषा नानासाहिब की 'बू मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-2
- अमिताभ, बहीदा, जौनत की फिल्म-3
- ऋषिकपूर, श्रद्धेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-4
- देवानंद, मधुबाला की फिल्म-3
- 'बनाकेक्यू विद्या' गीत वाली फिल्म-3
- अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता रव की फिल्म-3
- 'याग ओ याग' गीत वाली फिल्म-2
- 'खाई है रे हमने' गीत वाली गजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-3
- फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-3
- राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्मिस की 'झूम झूम के नाचो आवा' गीत वाली फिल्म-3
- 'हेलो हेलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
- सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
- 'मेरे तो गिरफ्तार गोपाल' गीत वाली फिल्म-2
- मनोजकुमार, साधना की फिल्म-4
- 'जो उनको तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-4
- राजकपूर, नर्मिस की फिल्म-2
- 'सुना था देखा ना वा' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
- अमिताभ, रितिक, जॉति की फिल्म-2
- 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2
- सुनील शेट्टी, रेशा की 'कहाँ गये ममता' गीत वाली फिल्म-2
- 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सागर बानो की फिल्म-3
- अमिताभ, अरशद वास्सी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-4
- 'ये पनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा परेश की फिल्म-3
- धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-2
- अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 3736

दो	ख	ने	फू	ल	औ	र	कां	टे
वा	ह	सि	ल	जा	टे			
र	न	फि	जे	र	नी	डु		
सो	तु	म	च	ती	म			
श	च	न	म	स	पू	तु	रू	
र	गि	जु	नि	तु				
त	स	हे	लो	म	ई	ल	व	
ज	वा	र	ज	मा	र			
र	ज	म	ह	ल	न	द		
ली	न	म	वा	ली	ख	न		

सूडोकु - 3737

6			7					
	4	8	2			7	5	
	4		3				6	
	7	1		2			5	
8			4			9	6	3
2			8					
2				8		3		
4	3			9	8			
			3					9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने आने आवश्यक हैं। प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहले का केवल एक ही हल है।

सूडोकु - 3736 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	6	4	8	2	6	4	7	1
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3737

1	2	3	4	5	6	
7			8			
			11	12		
13			14	15	16	
19	20	21		22	23	24
				25		
			30	31	32	33
34	35		36			37
38				39		

बाएँ से दाएँ

- पावर हाऊस - 5
- दिमागी, कल्पित - 4
- हृदय - 2
- खोदाना - 3
- प्रचार वाक्य, स्लेगन - 2
- नुकीला - 4
- कलिका - 2
- प्यारा, लाडला - 3
- विशिश, विशेष - 2
- खर्च, उपभोग - 3
- नीका - 2
- नाम करण - 2, 3
- चमकीला - 5
- महोदय (अंग्रेजी) - 2
- रनिवास, जनवासा - 3
- संध्या, सांझ - 2
- दलना, महीन करण - 2
- जस, सम्मान - 2
- कारागृह - 4
- आलाप, लय, सुर - 2
- पागल खी - 3

शब्द पहेली - 3736 का हल

अ	स	म	न	र	ख	कां	न
व	न	न	शा	न	र	न	स
म	क	र	न	न	र	स	क
का	ल	ह	जा	न	ला	द	म
या	क	ना	नि	न	आ	र	म
न	वा	व	म	ज	न	ज	न
न	न	ह	क	न	स	र	ला
न	न	ही	न	न	ज	र	मा
ल	न	ज	ग	न	न	क	वा
ल	न	शा	न	र	स	क	वा
ल	श	क	ज				

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दौंव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !



नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबाझरसोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहाँ 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50% मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25% हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है। हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की कम्ब, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20% हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा खवाल वही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता को गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-



प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दौंव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है। यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छत्ती टोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया? हम आपको बता दें कि यह निवेश उस समय हो रहा है जब बलूचिस्तान में विद्रोह चरम पर है। बलूच नेता साफ चेतावनियाँ दे रहे हैं कि यह निवेश उनके लिए शोषण का नया अध्याय है। बलूच नेता कह रहे हैं कि प्रांत में दशकों से मौजूद असंतोख और सैन्य दमन को देखते हुए कोई भी समझदार निवेशक पहले सबार सोचे। लेकिन अमेरिका ने शायद जानबूझकर जोखिम को स्वीकार कर लिया है। ऐसा लगता है कि वह सौदा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि अमेरिकी

एजेंडे का हिस्सा है। दरअसल, अमेरिका का असली मकसद है चीन को पछड़ना। आज की सच्चाई यह है कि दुनिया में तांबा, सोना और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स नई सदी का तेल बन चुके हैं। चीन खासकर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में इस क्षेत्र में भारी पकड़ बना चुका है। अमेरिका बड़ी तेजी के साथ नए स्रोत ढूँढ रहा है और पाकिस्तान का रिकोडिक, जो तिब्बती-ईरानी खनिज बेल्ट का हिस्सा है वह अमेरिकी रणनीति में एक खूबसूरत चेकमेट जैसा दिखता है। इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफगानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीनझपाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) ठीक फिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (खाबर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहाँ पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि वह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका

मानती हैं। पर विदेशी निवेश वहाँ चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, यह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहाँ आ रहा है? अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीनझअमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की अपूर्ति श्रृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के वेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाते की कोशिश करेगा। साथ ही इस परियोजना से बलूच विद्रोह को नई ऊर्जा मिलेगी। विदेशी निवेश उनके लिए हमेशा दमन के नए प्रतीक के रूप में देखा गया है। परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है।

बहरहाल, यह निवेश पाकिस्तान के लिए आर्थिक संजीवनी नहीं बल्कि शक्ति के वैश्विक खेल में एक गैरबिगि चिप है। अमेरिका को चाहिए क्रिटिकल मिनरल्स, पाकिस्तान को चाहिए डॉलर, लेकिन बलूचिस्तान को चाहिए न्याय, अधिकार और सुरक्षा जो किसी भी सौदे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रिकोडिक आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की नई भू-रणनीतिक लड़ाई का केंद्र बन सकता है। साथ ही अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह सूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। वहाँ है कि अमेरिका ने एक बड़ा दौंव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि वह दौंव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।

वदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

हैं। आपको पता रहे वदे मातरम् को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वदे मातरम् की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए काँग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वदे मातरम् का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूँ, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक विश्वस्थायी माने स्वतंत्रता सेनावियों और राष्ट्र निमाताओं की अगिनित पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वदे मातरम् पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अपन उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मौल के परचम को मनाने का अवसर एकात, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। वदे मातरम् पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये

ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वदे मातरम् को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वदे मातरम् के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारा कर रहा है। संसद में राष्ट्रीय गीत वदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रसम नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि काँग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रीय गीत वदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। काँग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रीय गीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वदे मातरम् की रचना की बात करें तो बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सन 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बने लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के

रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामों की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में काँग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुस्लिम लीगों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में काँग्रेस अधिवेशन में वदे मातरम् गानने के समय तत्कालीन काँग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर पंच से उठकर कहते गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम लीगों की आपत्ति है कि वदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। काँग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोगों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए काँग्रेस अधिवेशन में वदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वदे मातरम् को राष्ट्रीय घोषित कर दिया।

संसद में व्यर्थ बातों पर नहीं जनहित पर चर्चा आवश्यक

पहचान करने वाली आंतरिक आवाज या अंतःप्रज्ञा है, जो हमें नैतिक निर्णय लेने में मदद करती है; इसे आंतरिक स्व की ज्योति या आत्मा की आवाज भी कहा जाता है, जो हमारे अंतःकरण में विद्यमान होती है। यह हमारे मन और आत्मा का वह हिस्सा है जो हमें सही राह दिखाता है, भले ही बाहरी नियम या तर्क सीमित हों अतः जो अंतरात्मा की आवाज कहती है वही बोले इसलिए हमें पहले अपने अंदर झाँक कर देखना चाहिए। मैं कितना सही हूँ आज अगर भारत माता की रक्षा के लिए हमें बलिदान देना पड़े तो क्या हम तैयार हैं। अतः देश के सेना ही हमारे असली नायक हैं जो देश की रक्षा के लिए जान की बाजी भी दे देते हैं अतः देशभक्त होना जरूरी है भाषा कोई विवाद नहीं है राम यह शब्द दिखने में जितना सुंदर है उससे कहीं महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम भारत की आत्मा है जब ए समझ आएगी तभी देश के प्रति सेवा का भाव पैदा होगा। राम कहने मात्र से शरीर और मन में अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमें आत्मिक शांति देती है परअसल हिन्दू की अंतिम विदाई में यानी शक्यात्रा में 'राम नाम सत्य है' यह बोलकर मृतक को सुनाना नहीं होता है, बल्कि साथ में चल रहे परिजन, मित्र और वहां से गुजर रहे लोग इस तथ्य से परिचित हो जाएँ कि राम का नाम ही सत्य है। साथ ही जब मनुष्य जब राम का नाम लेगा तभी उसकी सदगति होगी। इसलिए इसका मकसद यह कहकर परंपरा शुरू की गई थी कि मुक्त के मरने के पीछे जब मूल्य इतना लड़ते हैं, धर्म जाति पाती बड़ा छोटा के लिए वाद-विवाह करते हैं और अपने से ही यश के कारण आपमें घमंड के कारण लड़ा करते हैं, लेकिन अन्य व्यक्ति को भी यह मालूम होना चाहिए कि राम का नाम सत्य है क्योंकि सबसे बड़ा घमंड जो रावण के पास आया उसको भगवान राम ने ही तोड़ा यानि जिजने इस धरती पर जन्म लिया, उसकी मृत्यु निश्चित है। इसलिए घमंड ना करें जीवन में मिल जुल कर रहें परीवों की सेवा और सत्य की राह पर चलें वहीं मान्यता है और इन्हीं सब कारणों की वजह से शक्यात्रा में 'राम नाम सत्य है' बोलते हैं। इससे मृतक के आत्मा को शांति मिलती है शरीर मरता नहीं है क्योंकि उसमें ऊर्जा है शिथिल होता है और ऊर्जा का पतन होने

लगता है बाद में यही ऊर्जा प्राण के रूप में बाहर निकल जाती है और स्थूल से सूक्ष्म में रूपांतर हो जाता है और अनुभूति होती है और राम के राम की ध्वनि से उसमें प्रभु को यादकर अपनी जीवन में हुए शान्त कर्म के लिए भाषी मांगता है और इस तरह वह शांति की ओर अग्रसर होता है और कई योनियों में जन्म लेने के बाद तब कहीं पुनः मनुष्य में जन्म मिलता है इसका कारण यह है कि आप अपने शरीर की ऊर्जा को पहले ही कामवासना से नकारात्मक कर देते हैं और इसीलिए टूटती है तो आत्मा को शांति मिलती है जैसे किसी भी क्षेत्र में पारंगत होने के लिए प्रैक्टिस करना जरूरी है तब आप उसमें आरा दक्ष होते है इसलिए हर समय शांति से रहना कम बोलना और समय पर सटीक बोलना उस परामात्मा भगवान राम को हमेशा याद करते रहने से आप में मौत का डर खत्म हो जायेगा और लोभ लालच में कामवासना से मुक्त होकर जब शांति की ओर अग्रसर होंगे तो सच सामने आएगा कि मृत होना एक दिन तय है इसलिए अपनी ऊर्जा सकारात्मक की ओर अग्रसर करें ज्यादा बोलने से आपकी ऊर्जा बेबजब नष्ट होती है जो आजकल संसद में वोट शुद्धिकरण पर चर्चा हो रही है घुसपैठिये, मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है और उसी का नाम एस आई आर है। मुख्य विपक्षी पार्टी का एक के बाद एक चुनाव हारने का कारण इवोएम या वोट और ना जाने क्या क्या बहस हो रही है इसका मतलब यह है की पक्ष विपक्ष दोनों को आपकी अपनी चिंता ज्यादा दिखाई दे रही है संसद में सही गलत पर तर्क वितर्क से कुछ नहीं मिलेगा यदि चुनाव जितना है तो जनता के लिए काम करना होगा, पहले विपक्ष बिल्कुल कमजोर या नहीं था लेकिन पहले जो संसद में सौते थे आज सत्ता पक्ष को यह ध्यान देना जरूरी है कि आखिर विपक्ष में इतना ताकत कहां से आई वो भी उसी चुनाव प्रक्रिया से गुजर चूके होंगे और अब सत्ता पक्ष को शांत रह कर काम करने की ज्यादा जरूरत है जिस तरह विपक्ष मजबूत हुआ है तो जनता के बल पर ही जीता, घुसपैठ कितना होगा इधर तो नजर नहीं आ रहा है उसकी संख्या उतनी नहीं है कि सरकार को बना या बिगाड़ दे जो सही में वोटर है वो तो पुरी तरह जाते ही नहीं है कभी सुना है 90 परसेंट

मतदान हुए हैं अतः ऐ सब व्यर्थ की बातें हैं काम की बातें करना ज्यादा जरूरी है जो देश के गरीबों के कल्याण के लिए हो अगर घुसपैठिये आये तो ऐ भी प्रशासन की लापरवाही होगी क्योंकि क्या अपने बाउंड्री को पूरा सील किया है और इस तरह वह शांति है एक ऐसा दिवार बना दिया है जिस पर जाना नामुमकिन है अमेरिका ने तो अमेरिका और मेक्सिको के बीच सीमा करीब 2000 मील (लगभग 3200 किमी) लंबी है। अमेरिका में वैध घुसपैठ के लिए ऐ रस्ते बंदमान रहा है। दीवार बनने से पहले इस पर बाड़ लगी हुई थी। 2016 में ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान यहां पर दीवार बनाने का वादा किया। जनवरी 2017 में जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इस वादे को निभाने पर काम शुरू करवाया। 2017 से लेकर 2021 तक करीब 727 किलोमीटर लंबी दीवार बनाई गई। इसे ट्रंप वॉल भी कहा जाता है। अतः इसपर चर्चा करना जरूरी है क्योंकि आप दिन कहीं पाकिस्तान से सटे इलाके में हमारे जवानों को ऐसे बाकी के देश ने किया है ए तो उत्तर प्रदेश में भी आ गए और योगी जी के डिटेंशन सेंटर के डर से लापता हो रहे हैं अतः वाद विवाद मुद्दे जो देशहित है जो यही करना चाहिए अनर्थ वार्ता से बचना चाहिए संसद को अखाड़ा दे तो नहीं अपनी बात रखने का अधिकार सबको है लेकिन जो सार्थक हो चुनाव में हार मिली है तो उस पर पार्टी को अपनी छवि सुधार करना चाहिए इवीएम कोई मुदा नहीं है क्योंकि वोटिंग होती है वोटिंग के तरफ से भी एजेंट होता है इसका मतलब ए हुआ कि एजेंट ही उससे मिल गया ऐसा नहीं है चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है और वीवीपेट के आने के बाद तो पारदर्शिता बढ़ी है ना जाने कितने लोग इसमें कहीं कहीं मेहनत करते हैं जब इलेक्शन ड्यूटी होता है और कार्डोटिंग में वही फॉर्म एजेंट कार्डेंटर पर ले कर जाता है जो चुनाव के समय का डाटा होता है अतः इस पर सवाल करना व्यर्थ है।

संपादकीय

चुनाव सुधार अर्थात 'वोट चोरी'

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूँथ रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का वेहद गंभीर आरोप चर्चा किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएं, तो आपको ढूँढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनेल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष काग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमीशन आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनेल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है।

काँग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता। चुनाव आयोग को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि जहां उसे मतदाता सूची में विसंगति लगे, वह उसी क्षेत्र में एसआईआर का अभियान शुरू कर सकता है। यह बहस सर्वोच्च अदालत में भी उभर कर सामने आई है। एसआईआर को देश के 'जनप्रतिनिधित्व कानून' का उल्लंघन करार दिया गया है। आज 2025 में कई राज्यों में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था अथवा नहीं। अर्थात् मतदाताओं को पुष्टि करनी है कि अतीत में वह मतदाता रहा था। दरअसल मतदाताओं को न तो पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है और न ही चुनाव आयोग के पोर्टल और वेबसाइट काम कर रहे हैं। यह पुष्टि देश का औसत मतदाता कैसे कर सकता है? 2003 या इतने पुराने मतदाता की पुष्टि सिर्फ चुनाव आयोग ही कर सकता है, क्योंकि उसके पास तमाम रिकॉर्ड हैं और वह मतदान कराता आया है। लिहाजा सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने एसआईआर को एक ह्यअसंवैधानिक प्रक्रियाह करार दिया है। सर्वोच्च अदालत को इस संदर्भ में अपनी व्याख्या देनी है।

चिंतन-मन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगेने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रुकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज। व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चिंत और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है। इस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चिंत खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारंभ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।



मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रीय गीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों को नौद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म डहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व



संजय गोरावामी

सद में यदि वदे की चर्चा जोगों पर है क्योंकि इसकेसाल 2025 भारत के राष्ट्रीय गीत, वदे मातरम् के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक मील का पत्थर होगा, क्योंकि इसके पहले परिवर्तन के 150 साल पूरे हो रहे हैं। वदे मातरम् पर बोलने से कोई आपत्ति करता पर तूल देना ठीक नहीं है वदे मातरम् एक राष्ट्रगान है जिसपर संसद में खुब चर्चा हुई है। संसद में किसी सांसद की नारजगी हुई इसे तूल में तो उसके जगह जय श्री राम बोलता हूँ तो क्या होगा क्योंकि जब देश में ही मिलावटी लोग हैं तो मेरा भगवान राम राष्ट्र से भी ऊपर है मैं भगवान राम को ही संसार का मालिक समझ कर उनका नाम लेता हूँ क्योंकि जब भगवान राम का अस्तित्व रहेगा तभी हम शांति और चैन से जी सकते हैं जब एे गाने पहले से संसोधित हो गया तो मैं भगवान राम के अलावा किसी के सामने झुकना पसन्द नहीं करूँगा क्योंकि मेरे संस्कार में ही वो हमेशा रहे हैं और अन्त में राम नाम सत्य होना ही है तो अभी ही ले लूँ यहीं हमारा धर्म और उनके मर्यादा का पालन करना कर्म है अब दोनों ही एक मतलब हो गए क्योंकि भगवान राम है अब दोनों ही हमें हमेशा मानवता की रक्षा और देशद्रोही से लड़ना सिखाता है एक गाना खुब चला, मेरे राम रोम में बसने वाले राम, जिसके स्वामी है अंतयामी में तुझसे क्या मांगूँ। कतिपय पर किसी वाक्य बोलने से क्या फर्क पड़ता है तेरा तुझको सौंप कर क्या लगे मेरा, वाणी वही बोले जो अंतरात्मा की आवाज कहती है अंतरात्मा दरअसल आत्मा, आंतरिक स्व (inner self), या आंतरिक स्व (inner self), या जमीर, जो सही और गलत की

A shaman who shattered the lens of the Anthropocene

The big problem with information today is not noise, but silence. The latter is the most eloquent part of a lecture. Yet, one never asks about the kind of violence that precedes every part of a story.

My next-door neighbour, a sociologist, recently commented, "Why is everyone talking about development when they should be talking about the Anthropocene? Silence needs a new kind of storytelling." It reminded me about a Pakistani social scientist who talked at length about a conference. I once met Ziauddin Sardar, the well-known futurist, at Perth airport. We had three hours to kill. He was returning from a conference, and I from visiting relatives. Zia was a wonderful gossip and even more entertaining as a social scientist. He was a genuine South Asian. He wrote the most interesting article on the Ambassador car—I wish Ratan Tata had read it before he introduced the Nano. On this day in Perth, Zia was waiting to gossip—not just about the conference, but about his old colleagues and friends in India. He felt gossip was disappearing. And gossip, he felt, made eccentricity and dissent available. This is what he felt made India of the 1970s so interesting. Zia desperately missed his colleagues at the Centre for the Study of Developing Societies. India, he felt, had become rigid and straightforward. He felt that the present regime had added to the mediocrity, destroying India's sense of play and dissent.

I asked Zia about the changes. He sat silently for a while, drinking his coffee. Then he said that today, the future is an extrapolation, regimented into a straight line of expectations. Earlier, the future was a domain of dissent and diversity. The future is a pretext for freedom—an invitation to the Homo ludens, the human as a player. Zia explained that earlier, such conferences were full of oddballs, marginals who ambushed you with new ideas. The future was open-ended and inclusive. Over the next three hours, he proceeded to describe the three-day conference he had been part of.

The first day was a meeting of knowledge and power, demonstrating the competence of policy. There was only one interesting paper, from South Africa. It talked about Islam in general and believed that India could add a new kind of Islamic imagination to the future.

The second day focused on the basic theme of the conference: the Anthropocene. The word 'Anthropocene' was coined by Dutch scientist Paul J Crutzen. He believed it's a new geological era during which human activity has been the dominant influence on climate and the environment. Crutzen wanted to create the picture of a wounded Earth—damaged by a promethean man. The Anthropocene was a statement of guilt.

Unfortunately, the debate got involved in dates. Dutch scientist Wiebe Bijker felt that assigning dates to the era had become an obsession. The question was whether to date the Anthropocene to the beginning of the Spanish conquest, which eliminated a million indigenous people, or to locate it at the Industrial Revolution. Today, many prefer to locate it with the birth of the atom bomb. Zia said, regardless of the dates, what the dating did was remove the question of guilt—the fact that Earth was being destroyed by man. He added that two earlier papers that had discussed the Anthropocene were purely economic exercises, where climate change became a battle between the centre and the periphery.

But the next paper ambushed the conference. It was by a shaman serving as a lecturer at a local university. The shaman's speech was electric, as if it was an afterthought brought into the conference. He said that what futurology lacked was the quality of storytelling, the ability to create a new myth for the Anthropocene. The Western idea of Anthropocene was an incomplete myth—it talked of Prometheus, but it had no sense of an alternative. The myth one needed to destroy was the idea of economics, which is centred around the 'noise' called consumption.

The old in the new labour codes

The laws won't really count as long as informal workers dominate the Indian industry

THE latest labour codes, released last month, have many new features. Yet, discussions on them in the media and Parliament keep hovering around how best to tame the working class. There are abundant sweeteners in the new laws but the fear of strikes still sticks out like a red chilli. As a result, the emphasis again is on anti-strike mechanisms. This is an uncalled-for overkill, based on habit, not reason, as we shall soon see. The truth is that over the years, the number of strikes has progressively fallen. Yet, the fear of worker unrest dominates labour laws ever since the first factory horn blared. Strikes were at their highest when, paradoxically, labour laws were at their harshest too. That was when robber barons came charging down the hill with hired blacklegs to beat the stuffing out of protesting workers.

All this has changed over time. The labouring class has grown tamer, but factory laws still have that old mindset. The number of strikes went down sharply by 75 per cent in the decade between 2003 and 2014. In 2019, there were just 59 strikes and only 30 were recorded in 2023. At one time, this figure was in hundreds. Yet, labour laws kept distrusting workers, making the staging of protests and strikes progressively more difficult.

As a result, we see a version of self-fulfilling prophecy at work. Workers and their unions suspect every move of the government, entrepreneurs and the management refusing to see the sweeteners that are introduced from time to time in the labour codes. There isn't a strike on the horizon, yet labour unions worry that should they want to organise one, it will now get more difficult to do so.

Look at the number of wins the new codes give the worker. They can now get annual leave after 180 days of work and not 240, as was the case earlier. Paid maternity leave has been extended from 12 to 16 weeks. Gig workers are eligible, at long last, for retirement benefits. Men and women will get the same wages for the same work. Retrenched organised sector workers will receive 15 days' wages for retraining. Labour representatives see these as sops because the new law allows the management to fire workers without informing the government if the enterprise employs less than 300 people, and not 100 as earlier. Alongside, the advance notice for strikes must now be of 60 days and not 14. These two together, labour unions believe, defang the working class. With their bite gone, their bark won't matter either. The new law indeed allows factories with up to 299 workers to retrench employees without government notice, but this is hardly significant. Only about 4.5 per cent establishments employ between 100 and 199 workers. While the management fears more unrest though the number of strikes is decreasing, the workers fear more lockouts even as these figures are falling dramatically too. There were



only 34 lockouts in 2022; so why this fear? The principal reason the two sides have locked horns is because the good parts of the codes are not actionable as most workers are in the unorganised sector. Nearly 50 per cent of Indian factories employ less than 20 workers. In such units, even occupational health hazard rules do not apply. The workers will, therefore, remain vulnerable. It is hard to imagine these outfits scaling up to cross the 300-worker mark. In fact, Economic Surveys (2017-20) point out that the share of employment in the organised sector has actually gone down over time and it now hovers around a mere 17 per cent. What is really telling is that such jobs are decreasing in Central public sector enterprises too. Between 2016-17 and 2020-21, the number of organised workers in these units fell from 11.29 lakh to 8.61 lakh. If this is so in the state sector, can the private sector be any better? To add more pixel detail to this picture, the 2023-24 Economic Survey tells us that over 57 per cent of the total Indian workforce is self-

employed and, by definition, outside all labour laws. Thus, while the number of organised-sector workers is falling, the count of strikes too is declining. At the same time, lockouts are also dropping, even as unorganised-sector labour is growing. Between 2017 and 2022, their proportion edged up from 80.8 per cent to 82.6 per cent. To what extent then can the new labour codes make a difference? Much of its newness is notional and cannot be tested as even direct factory employment declined from 61 per cent to 47 per cent between 2011 and 2023. As the organised sector, too, is sourcing out its jobs to the informal sector, even high-end cars have parts produced in petty, informal workshop. Business magnates and workers' unions must know that the new labour codes are a dressing that won't really count as long as informal workers dominate the Indian industry. Only elite "labour aristocrats" with signed contracts will benefit from them, but they are just a tiny fraction, and unlikely to grow. Both lockouts, which labour fears, and strikes,

Robust fundamentals should trigger better business growth

The overcautious, risk-averse approach of businesses is probably hurting growth even though the fundamentals seem positive. The sharp uptake of the services sector shows there is strong domestic demand even though the export environment is cloudy

A year-end survey has shown that the Indian economy has stood fairly resilient in the face of headwinds, but the checklist is a mix of hits and misses. The all-important services sector accelerated in November this year on the back of robust domestic demand, thus recovering lost ground from the previous month. However, export growth slipped to an 8-month low in the face of high US tariffs and rising global competition. The India Services Purchasing Managers' Index, compiled by S&P Global, inched up to 59.8 last month from October's 58.9. This is well above the neutral mark of 50, which separates expansion from contraction, and reflects sustained resilience. However, the Composite Index, which combines manufacturing and services, eased slightly to 59.7 in November from 60.4 in October, primarily due to a slowdown in manufacturing activity. The worry is that even though the index remains comfortably above the 50-mark, a decline for three consecutive months suggests India's economy may be losing momentum. The data



indicates despite a rise in company outputs, job growth remained muted. Around 95 percent of the firms surveyed reported no change in payroll numbers, indicating they did not face any pressure on existing capacity and that pending work was on a plateau. Simultaneously, business confidence for the 12 months ahead slipped to its lowest

since July 2022, as companies turned cautious in the face of turbulent geopolitics. The overcautious, risk-averse approach of businesses is probably hurting growth even though the fundamentals seem positive. The sharp uptake of the services sector shows there is strong domestic demand even though the export environment is cloudy. The PMI figures show input price inflation has reached its lowest rate in 5 years since August 2020, except for small increases in electricity, food, and software. This kept selling prices at an 8-month low, and in turn, stoked consumer demand. It is this trend that has encouraged the Reserve Bank to lower lending rates by 25 basis points. The various pointers should not be crimping business confidence; rather, with low inflation and high domestic demand, now is the time to boost investment and capacity in manufacturing, and generating more jobs. Businesses are built on informed risk-taking and it is time the government put its shoulders behind growth-focused entrepreneurship.

Perils of an unchecked narrative

The surge in women's turnout share in Bihar may be attributable to the cleaning up of voter lists. If more states believe the narrative of cash-for-women as a winning formula, something that started in Karnataka, the states' fiscal health will be strained

According to some scholars, the worst tragedy in human history was an outcome of a misleading media narrative. Responding to the Allied Forces' terms of surrender in July 1945, Japan's prime minister used the word 'mokusatsu' to mean 'silence'. Western media mischievously interpreted it to mean 'ignore'. Enraged, the US president decided to bomb Hiroshima and Nagasaki to devastation. It triggered a nuclear arms race that the world is still suffering from. Misleading narratives in quest for sensational headlines can wreak havoc. The 2025 Bihar election outcome is a case in point. Nearly every political leader and policymaker in the country believes that the cash scheme of ₹10,000 to a woman in every family, announced by Prime Minister Narendra Modi just two months before the election, was the game-changer. As a result, this will further intensify the race among parties in other states to distribute 'cash for women' in the belief that it is the magic bullet. This competitive populism can send the entire nation spiralling down a path to eventual fiscal catastrophe, political emptiness, and social disorder. Worse, this is a false narrative much like the 'mokusatsu' misinterpretation. Contrary to the Election Commission's boast that women's turnout percentage in the 2025 election was the highest in 75 years, it was nothing extraordinary in number. About 1.4 crore women voted in the 2010 Bihar election, 1.9 crore in 2015, 2.1 crore in 2020 (Covid year), and 2.5 crore in 2025. If a student scores 75/100 (75 percent) one year and 77/90 (86 percent) the next, her score has only increased marginally; but her percentage increase looks much higher because the denominator is lower. This is exactly what happened with the EC's women turnout

percentage. Due to the cleaning up of voter lists through the special intensive revision, the denominator of total women electors was smaller than it would have been otherwise and inflating the turnout percentage. Yes, for the first time, slightly more women than men voted, but that is as much a result of fewer-than-expected men voting due to male migration out of Bihar than any sudden increase in women voters. The women's turnout in this election was merely a continuation of previous trends and was neither extraordinary nor sudden.

It is not even the case that women voters, lured by the cash scheme, shifted their support en masse from the opposition Mahagathbandhan alliance to the ruling NDA. The percentage of women who voted for the opposition MGB in both the 2020 and 2025 election was the same at 37 percent. The NDA vote share increased by nearly 10 percentage points in 2025, driven by Chirag Paswan's LJP party joining the alliance, and not by a shift of women's votes. The increase in NDA vote share came equally from both men and women. This is clearly seen in districts such as Begusarai and Khagaria, where the NDA vote share increased by 18 percentage points; but the share of women voters remained the same as in 2020. So, neither was there a sudden sharp increase in women voters, nor was there a huge shift of them from the MGB to the NDA. The cash scheme for women in Bihar cost ₹12,000 crore, which is the same as the annual health budget for the whole state for 2023-24. To put it simply, the amount of money needed to provide medical facilities for the entire population of Bihar for one year was given away as free cash in two months.

Bihar was the 12th state to indulge in such election throwaways in the last two years. It began with Karnataka in 2023, when the Congress party announced ₹2,000 a month for women just before the election and won. Election consultants and the media painted a narrative of this scheme being the clincher, when in



reality the Congress would have won even without this scheme due to a heavy anti-incumbency then. But that false narrative set off a series of such pre-election announcements in Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Telangana, Rajasthan, Haryana, Jharkhand, Maharashtra, Delhi, and now Bihar. Six of these states do not even have enough money to pay salaries for government staff. Many have cut their development

expenditure on hospitals, schools, roads, water, and roads to fund their cash schemes. This misguided race has burnt a ₹2-lakh-crore hole in state finances annually, about the amount the Union government spends on rural jobs, drinking water, and rural roads combined for the country. The total debt of these states has doubled in three years. When states cut back on development and borrow heavily, it is the same poor woman who received the cash that is impacted the most. Further, merely throwing cash before elections hollows out the essence of democratic politics. Such blind faith in a 'cash for women' magic wand to win elections breaks the connection between governance and elections, and renders leaders lazy and redundant. Why have an entire political party apparatus if all one needs to win is to throw money a few months before elections and have paid 'jeevika didis' go door-to-door to campaign? Such cash transfer schemes also hollow out the very essence of governance. After all, without adequate health infrastructure, well-paved roads, or high-quality public education, people cannot just wave a bunch of currency notes to improve their lives. Distributing free cash by reducing other development expenditure and letting people fend for themselves can turn societies chaotic. Misleading narratives of electoral outcomes, while seemingly innocuous, can be extremely dangerous. In the interest of the nation, it is time all political parties learned from the 'mokusatsu' mistake and stopped this race to the bottom.

A 21% jump in equity fund inflows push AUM past Rs 80 tln: Amfi; SIP inflows marginally decline

MUMBAI.(Agency)
After several months of tepid inflows, investor interest in equity mutual funds saw a strong revival, pumping 21% more money into those schemes, pushing the industry's assets under management to scale past the Rs 80-trillion-mark in November. However, inflows into SIPs dipped marginally to Rs 29,445 crore in November from Rs 29,529 crore in October, down 0.28% on an on-month basis and first time since April. Equity funds saw a net 21.2% jump in inflows at Rs 29,911 crore up from Rs 24,690 crore in October, according to the data released by the Association of Mutual Funds (Amfi) here Thursday. Total assets under management of the industry rose to Rs 80.5 trillion, up from Rs 79.9 trillion in the previous month, which equity AUM stood at Rs 35.66 trillion, up from Rs 35.39 trillion in the previous month. The month saw 24 new schemes being launched across categories, mobilising around Rs 3,126 crore. Large-cap funds staged a sharp recovery, getting Rs 1,640 crore, up 68.7% from October's Rs 972 crore. Large & mid-cap funds also saw a strong month with Rs 4,503 crore, rising 41.7% on-month, while mid-cap funds saw inflows increase 17.9% to Rs 4,487 crore. Small-cap funds collected Rs 4,407 crore, improving 26.8% from October. In contrast, ELSS funds and dividend yield funds saw net outflows of Rs 570 crore and Rs 278 crore, respectively. Himanshu Srivastava, a principal research at Morningstar Investment India said tge revival of investor interest in equity-oriented funds reflecting sustained investor confidence amid a supportive macro-environment, resilient corporate earnings, and improving clarity around the global interest-rate trajectory.

Equity mutual funds rebound; inflows rise 21% to Rs 29,911 crore in November

NEW DELHI.(Agency)
Equity mutual funds attracted Rs 29,911 crore in November, marking a 21 percent increase from the preceding month, according to data released by industry body Amfi on Thursday. This rise in inflows comes after three consecutive months of decline, signalling an improvement in investor sentiment. The positive momentum in equity flows also boosted the broader industry's asset base with total assets under management (AUM) rising to Rs 80.80 lakh crore, up from Rs 79.87 lakh crore in October. Retail participation through Systematic Investment Plans (SIPs) showed a slight softening. SIP inflows edged down to Rs 29,445 crore, compared with Rs 29,631 crore in the previous month. According to the data, net flows in equity mutual funds rose to Rs 29,911 crore in November, up from Rs 24,690 crore in October. The net inflow in equities stood at Rs 30,421 crore in September and Rs 33,430 crore in August. Most sub-categories saw positive traction, except for dividend yield and ELSS funds during the month under review. Flexi-cap funds, which remained a preferred choice, recorded the highest inflows at Rs 8,135 crore, though this was a 9 percent dip from October's Rs 8,929 crore. In contrast, debt mutual funds saw an outflow of Rs 25,692 crore in November after witnessing a hefty inflow of Rs 1.6 lakh crore in the preceding month. Also, gold Exchange-traded Funds (ETFs) witnessed a sharp slowdown, with net inflows falling to Rs 3,742 crore from Rs 7,743 crore in October, pointing to a shift in investor appetite for safe-haven assets.

Microsoft 'deepening its commitment' to India's AI ecosystem, says Satya Nadella

BENGALURU.(Agency)
Microsoft Chairman and CEO Satya Nadella on Thursday said the company is deepening its commitment to India's artificial intelligence ecosystem with massive infrastructure investments. Microsoft is also strengthening its cloud footprint and focusing on skilling millions of Indians for an AI-driven future, he said. Speaking at a Microsoft event here, Nadella said, "We are very excited about investing in India to make sure that we're able to bring the best in class infrastructure here, the USD 17.5 billion investment," calling it Microsoft's largest investment in Asia. The Microsoft chairman underlined the rapid expansion of the company's cloud footprint across the country. "We're building on Azure as the world's computer and we have 70 plus data centre regions all over the world. In India, the footprint continues to grow. We now have central India, West India, South India, and we have a partnership with Jio as well," he said. Nadella further said that a new data centre region would become operational in 2026. "We are very excited that in 2026, we will have a new DC in south central and then the most exciting part for me is that it's 100 per cent sustainable," he said. Nadella also emphasised the importance of digital sovereignty and cybersecurity in an era of expanding AI deployment. "We are taking sovereignty and making sure that there's a portfolio of options for sovereignty. So you have the public cloud, you have sovereign controls in public cloud..." he noted. He warned that sovereignty cannot be viewed in isolation from security. "Cyber security is a signals game--you can be sovereign and not have global intelligence--you'll be vulnerable in fact," he said, noting that Microsoft processes "trillions of daily signals" to secure platforms from Azure to Windows.

US Fed rate cut: How the move shapes global markets and India

The Fed's third rate cut steadies some nerves and tests others, raising fresh questions on growth, liquidity and currency pressures, but what do these shifting global cues ultimately mean for India?

New Delhi.(Agency)
The US Federal Reserve delivered its third interest rate cut of the year, reducing the federal funds rate by 25 basis points and bringing it into the 3.5-3.75% range. The move immediately became the biggest headline in US rate cut news, with markets asking what the shift means for inflation, growth, the dollar and emerging markets like India. WHY THE FED MOVED AGAIN Subho Moulik, CEO of Appreciate, says the

Fed is still navigating a delicate soft-landing attempt. "Core PCE is at 2.8% yoy, the labour market is gradually cooling, and the unemployment rate rose to 4.4%," he noted, adding that employment gains have slowed to around 110,000-120,000 a month. According to him, the latest Federal Reserve interest rate cut is the final move in a three-step cycle that began in September. With rates now near neutral, Moulik expects US Treasury yields to stabilise. "Even US Treasury yields (10Y) are likely to stabilise around 4%, which is approximately 10% in INR terms in one of the lowest-risk asset classes," he said. However, he also highlighted that the Fed has signalled a tougher road ahead for further cuts, with only one to two rate reductions expected in 2026, depending on inflation and labour-market trends. Nachiket Sawrikar, Boston-based fund manager of the Rs 900 crore Artha Global Multiplier Fund, points out that the Fed has now cut rates by 75 bps

between September and December 2025, following a 100 bps reduction in late

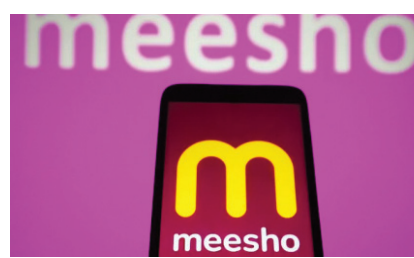


2024. With the federal funds rate now at 3.625%, he says policy is "very close to the estimated neutral rate of 3.25%." But the outlook remains uncertain. "The Fed's dot plot indicates just one additional rate cut in 2026 and one more in 2027," he said, noting that much will depend on whether inflation can fall sustainably from 3% toward the 2% target without further deterioration in job growth. Sawrikar warned that such uncertainty is weighing on markets.

Meesho's stellar debut has Dalal Street abuzz. What should investors watch next

New Delhi.(Agency)
Meesho's stock market debut has injected fresh energy into a muted IPO season. The company's stock gained more than 50% above its issue price yesterday, surprising many in a market where recent listings have struggled to sustain momentum. The newly listed stock has declined slightly today but is still significantly against its IPO price of Rs 111. At around 12:41 pm, shares of Meesho were trading at Rs 169.25 apiece on the Bombay Stock Exchange (BSE). **DECODING MEESHO'S STRONG LISTING** The strong opening reflects investor conviction in the company's ability to dominate India's fast-growing value e-commerce segment, a space where Meesho has built unmatched scale, cost leadership, and deep penetration across Bharat's mass-market consumer base. The platform now operates one of the largest two-sided marketplaces in the country, with Annual Transacting Users rising from 136 million in FY23 to 234 million in FY25, according to the initiating coverage report by Choice Institutional Equities. Its zero-

commission model and the rapid expansion of its logistics arm, Valmo, have helped the company build one of the lowest cost structures in the sector. This advantage is crucial in value-driven categories such as fashion, home and kids. Valmo now handles 67% of all



delivering over 50% listing gains highlights strong investor confidence in its position as India's most efficient value e-commerce platform," he told IndiaToday.in. He added that the IPO was attractively priced. "At 5.3 times FY25 EV to revenue, the IPO was priced low versus peers who came at 13.3 times at their listings," Bajaj said. Choice has initiated coverage with a 'BUY' rating and a target price of Rs 200. It expects a 31% revenue CAGR between FY25 and FY28 supported by category strength, increasing ad and fulfilment monetisation and deeper logistics integration. Choice expects EBITDA to turn positive in FY27 as operating leverage improves. Contribution margins are projected to rise from 5% in FY25 to about 5.8% by FY28. The firm's bull case assumes stronger growth and higher take rates while its bear case accounts for slower topline expansion to arrive at a valuation range of Rs 234 to Rs 148.

Stocks markets open firm but later turned choppy amid mixed global cues

MUMBAI.(Agency)
Equity benchmark indices Sensex and Nifty began trading on a positive note on Thursday but soon pared all early gains to trade in the negative territory amid weak trends in Asian markets and persistent foreign fund outflows. The 30-share BSE Sensex opened higher and climbed 149.3 points, or 0.17 per cent to 84,540.57. The 50-share NSE Nifty also advanced 45.05 points to 25,803.05. However, both key indices reversed their gains as selling pressure intensified, with the Sensex declining 222.39 points, or 0.26 per cent, to 84,168.88 and the Nifty slipping 50.90 points to 25,707.10. Among the Sensex constituents, Titan, PowerGrid, HCL Technologies, Bharti Airtel, Asian

Paints, Reliance Industries, Tata Consultancy Services, Tech Mahindra, ICICI Bank, Trent, Tech Mahindra, Axis Bank, Bajaj Finserv and ITC were the laggards. On the other hand, Eternal, Tata Steel, Maruti Suzuki India, Kotak Mahindra Bank, Adani Ports, Bharat Electronics Ltd, Larsen & Toubro, Infosys and UltraTech Cement were among the gainers. In Asian markets, Japan's Nikkei 225 benchmark, Shanghai's SSE Composite, Hong Kong's Hang Seng and South Korea's KOSPI were trading lower. Wall Street settled higher in overnight deals on Wednesday after the Federal Reserve cut the federal funds rate by 25 basis points to a range of 3.5-3.75 per cent in its December

meeting. However, policymakers left their projections for the federal funds rate unchanged from September, signalling only one 25 basis points cut in 2026. Meanwhile, Foreign Institutional Investors (FIIs) remained the net sellers of equities worth Rs 1,651.06 crore on Wednesday while Domestic Institutional Investors (DIIs) bought stocks worth Rs 3,752.31 crore, according to the exchange data. Brent crude, the global oil benchmark, rose 0.03 per cent to USD 62.23 per barrel. On Wednesday, the 30-share BSE Sensex dropped by 275.01 points to settle at 84,391.27, while the broader NSE Nifty fell by 81.65 points to close at a month's low of 25,758.

Why India is the next global hotspot for luxury real estate investment

The profile of the Indian homebuyer is changing in ways that directly favour the luxury segment. Millennials, who grew up with global exposure, digital access, and rising professional mobility, prefer premium homeownership.

Mumbai.(Agency)
As of 2025, India stands at a great demographic and economic moment. Its population, now the largest globally, enjoys a strong working-age majority. With about 68% in the 15 to 64 age bracket, the country has a powerful demographic dividend. At the same time, India is urbanising at a quick pace. Expansion across established metros and growing tier-2 cities is reshaping housing demand, infrastructure, and lifestyle expectations. This combination is driving housing volume and redefining quality as well. As incomes rise and aspirations evolve, a growing segment of Indian buyers and investors is moving beyond basic homeownership toward premium

residences. This is mainly because of better amenities, location advantages, and long-term asset value. This shift positions India as a credible emerging global hotspot for luxury housing investment. What drives the new face of premium living? This momentum is being further strengthened by the way India's physical and social infrastructure are changing together. Over the last few years, connectivity has quietly become one of the strongest suits for premium real estate demand. New expressways, upgraded airports, high-speed rail corridors, and urban transit networks are compressing travel time between business districts, residential corridors, and emerging suburbs. This shift is making high-end residential pockets more accessible, liveable, and investment-worthy, especially for buyers who value location efficiency as much as lifestyle. Given this, the profile of the Indian homebuyer is changing in ways that directly favour the luxury segment. Millennials, who grew up with global exposure, digital access, and rising professional mobility, prefer premium homeownership. With stable career trajectories in technology, finance, startups, and global services, many are entering their prime

earning years with a clear preference for larger spaces, gated developments, smart homes, and lifestyle-led communities. Parallel to this generational shift is the growing influence of India's high-net-worth and ultra-high-net-worth



population. As wealth creation accelerates across sectors, real estate remains one of the most trusted asset classes for capital preservation and diversification. Luxury housing, in particular, offers the dual promise of tangible security and long-term appreciation. It also benefits from a strong emotional dimension. For many domestic HNIs and overseas Indians, investing in premium property at home is both a financial and personal decision. In response, developers are focusing on curated residential ecosystems. For example, branded residences, luxury

"Higher long-term rates and unclear policy expectations have weighed on asset valuations and heightened volatility across rate-sensitive sectors," he said. The rise in the 10-year Treasury yield to 4.16% captures that nervousness. For emerging markets, the assessment is more sobering. "All this policy uncertainty is negative for emerging markets," Sawrikar said, adding that India is facing additional pressure because the India-US trade deal has not yet been finalised. This has put "downward pressure on the rupee-dollar exchange rate," which could slow foreign inflows and affect domestic equity valuations. RISKS REMAIN Rajesh Palviya, SVP - Research at Axis Securities, notes that the Fed's message signals a shift in priorities. "Concerns over slowing growth and labour-market softness now outweigh earlier fears of persistent inflation," he said. The cut takes the policy rate to its lowest point in over three years.

Eggoz faces social media heat over viral cancer claims: All you need to know

MUMBAI.(Agency)
If you have been seeing posts about cancer-causing eggs on social media this week, it's because a popular premium egg brand, Eggoz Nutrition, has landed in the middle of a controversy. Eggoz Nutrition, a brand that has built its reputation on selling fresh, chemical-free eggs, found itself at the centre of a storm. It started with a video from the YouTube channel Trustified, known for sending health products to independent labs for blind testing. The channel released a report claiming that samples of Eggoz eggs tested positive for AOZ, a metabolite of the antibiotic Nitrofurantoin. This particular chemical is banned for use in poultry farming because of its potential links to cancer. The finding, 0.73 parts per billion--was minute, but it was enough to shatter the "100% Antibiotic Free" promise the brand is famous for. For consumers who pay a premium price specifically to avoid the hidden nasties of industrial farming, the allegation that these eggs contained traces of a banned, potential carcinogen felt like a betrayal. Amid the noise, medical experts stepped in to offer some perspective. Dr. Manan Vora, an orthopedic surgeon and content creator, addressed the viral claims to calm the fraying nerves. While he admitted the findings were shocking for a brand making such high purity claims, he clarified that the situation did not warrant immediate panic. The levels detected were extremely low, trace amounts that don't pose an acute, overnight threat to health. The real concern, he noted, was not immediate toxicity but the breach of trust and the broader issue of how these chemicals enter the food chain at all. The company broke its silence on December 9 to address the allegations directly. They maintained that their product remains safe and technically compliant with Indian regulations, which allow for a tiny margin of residue to account for unavoidable environmental factors like contaminated groundwater. In a statement posted on Instagram, the brand defended its processes, and said, "We are aware of a video that is currently being shared and understand that it may have raised some questions and concerns. We want to reassure our consumers that our eggs are safe for consumption and comply with the standards set by the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI)." "We take every care to maintain quality and safety at our farms and across the entire value chain which includes ensuring zero anti-biotic usage. Our process also includes sourcing best quality feed, to storage, transport and delivery."

Delhi chokes on dust: DDA named 'top violator' in air monitor's latest inspection of roads

The findings are part of the third round of such inspection carried out by 22 CAQM Flying Squads on Monday to assess dust accumulation and the effectiveness of mitigation measures under the Graded Response Action Plan (GRAP).

New Delhi.(Agency)

As dust on Delhi's roads continues to worsen the already hazardous pollution in the Capital this winter, the Delhi Development Authority (DDA) has been identified as the top violator during the Commission for Air Quality Management's (CAQM's) latest inspection drive — with high dust detected on 12 out of its 57 stretches surveyed in Rohini.

The findings are part of the third round of such inspection carried out by 22 CAQM Flying Squads on Monday to assess dust accumulation and the effectiveness of mitigation measures under the Graded Response Action Plan (GRAP).

According to the CAQM, the inspection covered 79 road stretches maintained by the Delhi Metro Rail Corporation

(DMRC), Delhi State Industrial and Infrastructure Development Corporation (DSIIDC) and the DDA.

The CAQM teams also re-inspected stretches under the Municipal Corporation of Delhi (MCD) and the New Delhi Municipal Council (NDMC) to evaluate the impact of corrective actions taken earlier. The commission said geo-tagged and time-stamped photographs were collected and submitted as part of the consolidated report.

Of the inspected stretches, high visible dust were detected on 15, 36 had moderate dust, 22 had low dust and six stretches showed no visible dust, the CAQM said.

The DDA accounted for the majority of high-dust stretches, prompting the



commission to note that the agency's

mechanical sweeping and road-cleaning efforts "need to be strengthened," particularly on stretches where dust tends to accumulate frequently.

Re-inspection of MCD and NDMC roads showed mixed progress. The CAQM said it observed a nearly 50% reduction in the MCD's high-dust stretches after corrective measures were undertaken. However, of the 35 stretches rechecked, 18 continued to remain in the high-dust category. For the NDMC, the only re-inspected stretch continued to remain in the high-dust category, according to the commission.

The DMRC and the DSIIDC performed comparatively better. Out of the

10 DMRC stretches inspected, none fell in the high-dust category, with two showing no visible dust, three low dust and four moderate dust, the commission said.

For the DSIIDC, out of 12 stretches, three recorded high dust, four moderate, three low and two no visible dust.

Reiterating that road dust remains a major contributor to particulate pollution in Delhi, the CAQM, in a statement on Wednesday, called for "strengthened on-ground action," including regular mechanical sweeping, timely disposal of collected dust, and maintenance of road shoulders and central verges. The commission has also emphasised the need to deploy water-sprinkling and dust-suppression systems consistently.

Delhi-NCR air quality improves slightly, remains in 'poor' category; layer of smog covers city

New Delhi.(Agency)

The air quality in the national capital remained in the 'poor' category on Thursday, with a thin layer of smog covering parts of the city and limiting visibility.

According to the Central Pollution Control Board (CPCB), the AQI was 287 at 8 am in the national capital. Several monitoring stations across the city reported pollution levels firmly in the 'poor' bracket. At 8 am, Aya Nagar recorded an AQI of 246, Burari



295, Dwarka 289 and Lodhi Road 233.

Meanwhile, in Anand Vihar and Delhi Cantonment, pollution levels were markedly higher, with the AQI touching 302, placing it in the 'Very Poor' category.

Several other key stations, including Ashok Vihar (332), Bawana (335), ITO Delhi (310), Chandani Chowk (309), and Alipur (315), remained in the "very poor" category, highlighting the widespread nature of pollution across Delhi. According to AQI categorisation, 0-50 is 'good', 51-100 'satisfactory', 101-200 'moderate', 201-300 'poor', 301-400 'very poor', and 401-500 'severe'.

City celebrates Deepavali's UNESCO tag

Govt organised festivities in capital to mark the event with cultural performances, lighting buildings.

New Delhi.(Agency)

After Deepavali, the festival of lights, was on Wednesday inscribed on UNESCO's Intangible Cultural Heritage list, it sparked celebrations across the capital to mark the earning of the coveted tag. The decision was taken during UNESCO's key meeting at Red Fort, where representatives from 180 countries participated. To mark the milestone, the Delhi government organised a grand cultural ceremony at Dilli Haat, INA.

Chief Minister Rekha Gupta lit the ceremonial lamp, offered prayers to Lord Ram and extended greetings to the nation. The event featured traditional folk dances and cultural performances, transforming the venue into a vibrant celebration of Indian heritage.

Gupta said the inscription marked a "historic global recognition of India's civilisational values" and symbolised the universal appeal of Diwali's core messages—love, harmony, hope and righteous living. "This is a proud moment for 1.4 billion Indians. The world has acknowledged the spiritual essence of Deepavali," she said, adding that the honour strengthened India's cultural standing globally.

The chief minister linked the achievement to Prime Minister Narendra Modi's vision of "Vikas bhi, Virasat bhi," saying that India was progressing rapidly while firmly rooted in its cultural traditions.

"A festival that lives in our homes and hearts is today recognised by the world as a cultural treasure shared by humanity," she wrote on X, calling the inscription a "golden chapter of Indian culture on the global stage". Gupta said previous global recognitions, including those for Yoga, Kumbh, Durga Puja and Garba, had showcased India's rich and diverse heritage, and Diwali's inclusion further affirmed the "universality of Sanatan traditions". Cabinet Ministers Ashish Sood, Manjinder Singh Sirsa, Kapil Mishra, MLA Anil Sharma and other dignitaries attended the government's celebration. Gupta also announced that Delhi would host a special "Bhavya Deepavali" this year to commemorate the UNESCO recognition, saying the entire capital had been illuminated with rows of lamps at public spaces and monuments, including the Red Fort.

BJP rejects AAP claim of rise in ammonia in Yamuna

Earlier, AAP had claimed that the city's water treatment plants failed to filter water because Haryana's industrial waste had entered Delhi's freshwater supply.

New Delhi.(Agency)

The BJP on Tuesday hit out at the Aam Aadmi Party (AAP), saying the ammonia level in raw water in the Yamuna "never rose to 6.5 ppm" as alleged in the recent past, and accused the party of creating panic in Delhi with "ulterior political motives".

Earlier, AAP had claimed that the city's water treatment plants failed to filter water because Haryana's industrial waste had entered Delhi's freshwater supply. Delhi BJP President Virendra Sachdeva said it was "regrettable" that AAP leader Saurabh Bhardwaj was

"misleading Delhiites" by alleging that the city's water treatment plants had failed and that Delhi was facing a water crisis due to high contamination levels. "There is no water shortage in Delhi, and the water

treatment plants are regularly treating and supplying over 1,000 MGD of drinking water every day," he added. "Ammonia level in raw water in the Yamuna never rose to 6.5 ppm as alleged by Saurabh Bhardwaj, and it seems he is simply trying to create a



panic situation in Delhi with ulterior political motives. Nor have water treatment plants been shut down. The drains that carry waste have no connection with the raw water passed on by Haryana to Delhi via the Yamuna river or canal," he said.

AAP, however, reiterated its charge that Haryana was responsible for contaminating Delhi's freshwater. The party pointed to fresh concerns raised after the National Green Tribunal (NGT) questioned whether Haryana's Diversion Drain No. 6 — now found carrying sewage into DD-8 — was a genuine stormwater drain. AAP said Delhi's Water Treatment Plants (WTPs) failed because Haryana allowed industrial waste into the capital's freshwater, spiking ammonia to "poisonous" levels, exactly as former Chief Minister Arvind Kejriwal had warned.

Sharing a news report on the NGT's demand for clarity from the Haryana Government, the AAP Delhi State President wrote on X: "This is exactly what Arvind Kejriwal said about Yamuna water contamination. Delhi's Water Treatment Plants failed to filter water.

Fire safety tightened across Delhi after Goa case

New Delhi.(Agency)

In the wake of the tragic fire incident in Goa, the Delhi government has announced a set of stringent measures aimed at preventing similar accidents and enhancing public safety across the national capital. Expressing profound grief over the loss of lives, the government noted that such incidents anywhere in the country demand serious attention and collective responsibility.

"The government has been ensuring robust fire safety standards in all restaurants, banquet halls, dining areas, and wedding venues in the city. He informed that, in view of the Goa tragedy, strict directions have been issued to ensure that all fire safety equipment in these

establishments is thoroughly inspected and maintained in full working condition," Delhi minister Ashish Sood said.

Sood further said that he has taken



strong note of the matter. A high-level meeting was convened to review and strengthen the existing licensing and regulatory framework

for public establishments, including restaurants, hotels, clubs, and bars.

He informed that previous governments had shown no interest in strengthening fire safety arrangements in hotels, restaurants, nightclubs and similar establishments. As a result, such unfortunate incidents kept occurring frequently. He added that under the current government, a complete transformation in fire safety preparedness is underway. New specialised equipment is being procured that can operate effectively in narrow lanes as well as reach the upper floors of high-rise buildings. Additionally, advanced appliances, including high-reach equipment, are being added to the Delhi Fire Service fleet.

Sale of fake stickers, spy cameras for extortion of traffic cops, WhatsApp command centres: How 2 crime syndicates flourished in Delhi

The Delhi Police arrested five people, including the masterminds, and recovered over 1,200 fake stickers, several spy cameras, a pistol, and other incriminating evidence.

New Delhi.(Agency)

The Delhi Police said Wednesday they busted two organised crime syndicates, one selling illegal stickers that allowed commercial vehicles to bypass no-entry restrictions and an extortion racket targeting transporters and traffic police personnel, and arrested five people.

According to the police, Rajkumar alias Raju Meena and Jeeshan Ali were leading separate crime syndicates that exploited transporters and government officials through systematic extortion.

"The investigation revealed that the accused were actively involved in running parallel systems: one selling fake stickers to commercial vehicles for Rs 2,000 to Rs 5,000 per month, and another extorting money from traffic police personnel by fabricating videos of them performing their duties," said Sanjeev Kumar Yadav, Deputy Commissioner of Police, Crime.

The syndicates operated through dedicated WhatsApp groups that coordinated routes, checkpoints, and safe passages for commercial vehicles during no-entry restrictions, the police said. "Sticker designs, colours and codes were changed monthly to avoid detection. Drivers were guaranteed free movement within Delhi," a police officer said. Rajkumar was arrested on December 8, and a case under the Maharashtra Control of Organised Crime Act (MCOCA) was registered against him for leading a network that had been operational since 2015.

Jeeshan Ali, the police said, was the mastermind who allegedly manufactured and distributed over 2,000 stickers monthly and directed operations through multiple bank

accounts in the names of his wife, brothers and friends. "He printed special stickers each month and issued real-time



directions to drivers for navigating police pickets. He used multiple bank accounts to receive ill-gotten money and had previously been involved in two extortion cases in Haryana," DCP Yadav

said. The police claim they have also arrested three associates of Jeeshan: Chandan Kumar Chaudhary, Dilip Kumar, and Dina Nath Chaudhary, who were allegedly responsible for field operations and sticker distribution.

"Rajkumar's syndicate deployed drivers with spy cameras to record traffic police during enforcement, then manipulated these recordings to blackmail officials. False complaints were lodged to exert pressure, later withdrawn after extortion," DCP Yadav said. Approximately 1,200 fake stickers, two rubber stamps, one Webley pistol with five live cartridges, spy cameras, and multiple mobile phones containing incriminating evidence have been recovered. Financial investigation and digital forensic analysis are ongoing.

Delhi Police arrest five, bust extortion racket targeting traffic personnel

Police said he targeted government officials and others by threatening to circulate fabricated videos showing them allegedly accepting money.

New Delhi.(Agency)

The Delhi Police has busted two organised crime syndicates operating in the capital with the arrest of five people in two separate cases, an officer said. One of the syndicates, led by Jeeshan Ali, facilitated the movement of commercial goods vehicles during no-entry restrictions by selling stickers or 'Marka' for Rs 2,000 to Rs 5,000 per vehicle per month, the officer said.

The other syndicate, headed by Rajkumar alias Raju Meena, extorted money from transporters and blackmailed traffic police personnel by recording their videos while they were issuing challans or performing other official duties. Police said he targeted government officials and others by threatening to circulate fabricated videos showing them allegedly accepting money. In the first case, a traffic policeman lodged a complaint after a commercial light goods vehicle attempted to evade checking and produced a "03 March" sticker, claiming exemption from challans.

"Evidence recovered from WhatsApp groups of the driver revealed an organised crime syndicate running a parallel system and cheating drivers and vehicle owners. The gang was also extorting traffic police staff by recording them during enforcement and later editing the videos," DCP (Crime Branch) Sanjeev Kumar Yadav said.

During the investigation, it was found that Rajkumar and Jeeshan Ali were operating two different syndicates. Section 112 of the Bharatiya Nyaya Sanhita (Organised Crime Syndicate) was invoked, police said. A case under Section 3/4 of the MCOCA was registered against Rajkumar's syndicate after approval under Section 23(1)(a). The gang had been involved in continued unlawful activities of extortion, coercion and intimidation in a systematic manner, the DCP added. Rajkumar was identified as the mastermind of a long-standing syndicate operating since 2015. He fabricated videos of police personnel, threatened them with departmental action, extorted money, recruited members and carried out unlawful activities for financial gain. Police arrested both masterminds—Rajkumar and Jeeshan Ali—along with three associates linked to Ali's network.

NEWS BOX

Ukraine hasn't held elections since Russia's full-scale invasion. Here's why

KYIV. (Agency)

Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy has rejected suggestions that he is using the war as an excuse to cling to power, saying he is ready to hold elections if the US and other allies will help ensure the security of the poll and if the country's electoral law can be altered. Zelenskyy's five-year term was scheduled to end in May 2024, but elections were legally put off due to Russia's full-scale invasion. That has become a source of tension with US President Donald Trump, who has criticized the delay as he pushes Zelenskyy to accept his proposals for ending the war.

Zelenskyy responded to that criticism on Tuesday, saying he was ready for elections. "Moreover, I am now asking — and I am stating this openly — for the United States, possibly together with our European colleagues, to help me ensure security for holding elections," he told reporters on WhatsApp.

"And then, within the next 60–90 days, Ukraine will be ready to hold them." Until now, Zelenskyy has declined to hold an election until a ceasefire is declared, in line with Ukrainian law that prevents a poll from being held when martial law is in effect. Ukrainians largely support that decision.

Here is a look at why Ukraine has not been able to hold elections so far:

A wartime election would be illegal

Ukraine has been under martial law since February 2022, when Russia launched its full-scale invasion.

The country's constitution provides for martial law in wartime, and a separate law bars the holding of elections while it remains in force. Beyond being illegal, any nationwide vote would pose serious security risks as Russia bombs Ukrainian cities with missiles and drones. With roughly one-fifth of the country under Russian occupation and millions of Ukrainians displaced abroad, organizing a nationwide ballot is also widely seen as logistically impossible. It would also be difficult to find a way for Ukrainian soldiers on the front line to cast their votes.

Although Zelenskyy's term formally expired in May 2024, Ukraine's constitution allows him to legitimately remain in office until a newly elected president is sworn in.

Aid flow into Gaza falls short of ceasefire terms, leaving two million Palestinians in distress

JERUSALEM. (Agency)

Aid deliveries into Gaza are falling far short of the amount called for under the US-brokered ceasefire, according to an Associated Press analysis of the Israeli military's figures as humanitarian groups say the shortfall is severely impacting the strip's 2 million people. Under the October ceasefire deal between Israel and Hamas, Israel agreed to allow 600 trucks of aid into Gaza a day. However, Israel's own figures suggest that an average of only 459 trucks a day have entered the Gaza Strip between Oct. 12, when the flow of the aid restarted, and Sunday, according to an AP analysis. COGAT, the Israeli military body in charge of coordinating aid entry, provided the figures. Aid flow does not meet ceasefire benchmark COGAT said that roughly 18,000 trucks of food aid had entered Gaza from when the ceasefire took effect until Sunday, amounting to 70% of all aid that had entered the territory since the truce. This means that COGAT estimates that including the rest of the aid — items that are not food, such as tents and medicines — a total of just over 25,700 trucks have entered Gaza. That is well under the 33,600 trucks that should have gone in by Sunday, under the terms of the ceasefire. In response to the AP analysis, COGAT insisted Wednesday the number of trucks entering Gaza each day was above the 600 mark but refused to elaborate why the figures don't match or provide raw data on truck entry. COGAT used to give daily figures of trucks entering Gaza during the war but stopped doing so when the ceasefire began. Rights groups say that is because it controls the crossings and has sole access to track how much aid and commercial goods are entering Gaza.

US Congress set to target China with new restrictions in massive defense bill

WASHINGTON. (Agency)

The Trump administration may have softened its language on China to maintain a fragile truce in their trade war, but Congress is charging ahead with more restrictions in a defense authorization bill that would deny Beijing investments in highly sensitive sectors and reduce US reliance on Chinese biotechnology companies.

Included in the 3,000-page bill approved Wednesday by the House is a provision to scrutinize American investments in China that could help develop technologies to boost Chinese military power. The bill, which next heads to the Senate, also would prohibit government money to be used for equipment and services from blacklisted Chinese biotechnology companies. In addition, the National Defense Authorization Act would boost US support for the self-governing island of Taiwan that Beijing claims as its own and says it will take by force if necessary.

"Taken together, these measures reflect a serious, strategic approach to countering the Chinese Communist Party," said Rep. Raja Krishnamoorthi, the top Democrat on the House Select Committee on the Chinese Communist Party. He said the approach "stands in stark contrast to the White House's recent actions." Congress moves for harsher line toward China

Australia demands social media giants report progress on account bans for children under 16

The tech companies' responses to eSafety Commissioner Julie Inman Grant's first demand for data will likely indicate their commitment to ridding their platforms of young children.

MELBOURNE. (Agency)

Australian authorities on Thursday demanded some of the world's biggest social media platforms report how many accounts they have deactivated since a ban on accounts for children younger than 16 became law.

Facebook, Instagram, Kick, Reddit, Snapchat, Threads, TikTok, X, YouTube and Twitch all said they would abide by Australia's world-first law that took effect on Wednesday, Communications Minister Anika Wells said. But the tech companies' responses to eSafety Commissioner Julie

Inman Grant's first demand for data will likely indicate their commitment to ridding their platforms of young children. "Today the eSafety Commissioner will write to all 10 platforms who are considered age-restricted social media platforms and she will ask them ... what were your numbers of under 16 accounts on Dec. 9; what are your numbers today on Dec. 11?" Wells said.

The commissioner would reveal the platforms' responses within two weeks. The platforms would be required to provide monthly updates for six months.

The companies face fines of up to 49.5 million Australian dollars (\$32.9 million) from Wednesday if they fail to take reasonable steps to remove the accounts of Australian children younger than 16.

Wells said the European Commission, France, Denmark, Greece, Romania, Indonesia, Malaysia and New Zealand were considering following Australia's lead in restricting children's access to social media.

"There's been a huge amount of global interest and we welcome it, and we welcome all of the allies who are joining Australia to take action in this space to draw a line to say



enough's enough," Wells said.

Sydney-based rights group Digital Freedom Project plans to challenge the law on constitutional grounds in the Australian High Court early next year.

Inman Grant said some platforms had consulted lawyers and might be waiting to

receive their first so-called compulsory information notice Thursday or their first fine for noncompliance before mounting a legal challenge. Inman Grant said her staff were ready for the possibility that platforms would deliberately fail to exclude young children through age verification and age estimation technologies.

"That could be a strategy that they have in and of themselves: we'll say we're complying but then we'll do a crappy job using these technologies and we'll let people get through and have people claim it's a failure," Inman Grant told Australian Broadcasting Corp. Inman Grant said her research had found that 84% of children in Australia aged 8-12 had accessed a social media account.

Of those with social media access, 90% did so with the help of parents. Inman Grant said the main reason parents helped was because "they didn't want their children to be excluded."

"What this legislation does... is it takes away that fear of exclusion," Inman Grant said.

Big boost for Pak's F-16 jets as US approves \$686 million tech upgrade: Report

KATHMANDU. (Agency)

The Trump administration has informed Congress of a USD 686 million proposal to upgrade Pakistan's F-16 fighter jets, triggering a 30-day review period and expected scrutiny from lawmakers, with India keeping a close watch, Pakistani media reported on Wednesday. The package, approved by the US Defense Security Cooperation Agency (DSCA), included advanced avionics, Link-16 tactical data links, cryptographic equipment, training, and full logistical support. According to the report quoting a DSCA letter dated December 8, the sale covered USD



37 million in Major Defense Equipment (MDE) and USD 649 million in additional hardware, software, and support services. Key recipients of the notification included House Speaker Mike Johnson, Senate

Foreign Relations Committee Chairman James Risch, and House Foreign Affairs Committee Chairman Brian Mast. The administration emphasized that the deal is intended to modernize Pakistan's Block-52 and

Mid-Life Upgrade F-16 fleet while ensuring compatibility with US and partner forces. The MDE list featured 92 Link-16 systems, a secure, jam-resistant digital network used by US and allied militaries for real-time

battlefield coordination, and six Mk-82 inert 500-pound bombs, designed for integration and release testing. Non-MDE items included avionics updates, mission-planning systems, IFF (Identification Friend or Foe) equipment, cryptographic appliques, test equipment, spare parts, simulators, publications, and contractor engineering and logistics support. Lockheed Martin of Fort Worth, Texas, has been named the principal contractor. According to the notification, the US does not plan to send additional personnel to Pakistan for the upgrades, nor does it expect any impact on American defence readiness. The administration stressed that the sale "will not alter the basic military balance in the region," a line aimed at addressing longstanding Indian concerns.

Former Bolivian President Arce arrested in corruption investigation a month after leaving office

LA PAZ. (Agency)

Bolivian law enforcement officials on Wednesday arrested former President Luis Arce as part of a corruption investigation, opening an uncertain chapter in the country's politics a month after the inauguration of conservative President Rodrigo Paz ended 20 years of socialist rule.

A senior official in Paz's government, Marco Antonio Oviedo, told reporters that Arce had been arrested on charges of breach of duty and financial misconduct related to the alleged embezzlement of public funds during his stint as economy minister in the government of charismatic former leader Evo Morales (2006-2019). A special police force dedicated to fighting corruption confirmed to The Associated Press that Arce was in custody at the unit's headquarters in Bolivia's capital of La Paz.

Officials described Arce's arrest as proof of the new government's commitment to fighting graft at the highest levels in fulfillment of its flagship campaign promise. "It is the

decision of this government to fight corruption, and we will arrest all those responsible for this massive embezzlement," Oviedo said. But underlining the country's polarization, Arce's allies said his arrest was unjustified and smacked of political persecution. Accusations of theft from a fund for rural peasants

Authorities accused Arce and other officials of diverting an estimated \$700 million from a state-run fund dedicated to supporting the Indigenous people and peasant farmers who formed the backbone of Morales' Movement Toward Socialism party. As Bolivia's first Indigenous president, Morales transformed the country's power structure and gave Indigenous people more sway than ever.

Serving on the board of directors of the Indigenous Peasant Development Fund from 2006 to 2017, Arce was in charge of allocating funds to social development projects in rural areas. During that time, officials allege, Arce siphoned off some of that money for

personal expenses.

"Arce was identified as the main person responsible for this vast economic damage," said Oviedo. Bolivia's attorney general, Roger Mariaca, told local media that Arce had invoked his right to remain silent during police questioning. He said Arce would remain in police custody overnight before being brought before a judge to determine whether he will remain detained pending trial.

The charges against Arce carry a maximum sentence of 4-6 years in prison. An ex-president allegedly grabbed from the street Arce's key ally and former government minister, Maria Nela Prada, insisted on the ex-president's innocence and denounced the corruption scandal as a case of political persecution. Although the prosecution said it issued an arrest warrant, she said Arce was not notified of the case before he was bundled into a minivan with tinted windows in an upscale La Paz neighborhood on Wednesday and brought in for interrogation.

'It makes me want to cry': Emotional evacuees recount moments they fled Thailand-Cambodia fighting

SURIN. (Agency)

Amnat Meephew had just enough time to pack up his clothes and flee his home in Thailand a couple of kilometers from the border with Cambodia, the second time in four months hundreds of thousands of people like him have had to escape fighting between the Southeast Asian neighbours. "Sometimes when I think about it, I tear up. Why are Thais and Cambodians, who are like siblings, fighting?" the 73-year-old said. "Speaking about it makes me want to cry." The latest round of clashes along the disputed border erupted on Monday, derailing a ceasefire pushed by US President Donald Trump that ended the previous clashes in July, which killed dozens in both countries. Officials in Thailand said Wednesday that about 400,000 people have been evacuated, while Cambodia reported more than 127,000 displaced. Unlike during the first round of fighting in July, many Thai evacuees in northeastern Surin province said they left before hearing the sound of fire following early evacuation warnings

from local leaders, triggered by a brief skirmish at the Cambodian border on Sunday.

"I could only bring my clothes," Amnat said. "I even forgot to lock my doors when I left." Many took shelter in university halls, sitting or lying on thin mats or in tents erected within their allotted space. Music played to help relieve stress. Health officials checked on evacuees, while volunteers organized activities to entertain children. Thidar Homhual also received a warning on Sunday to leave her home about 15 kilometers from the border. She teared up as she spoke about the pets she had to leave behind. Her stay in a gymnasium with more than 500 others has been far from comfortable, but she said meals are provided, and support from officials and volunteers helped her cope. "Maybe because this isn't the first time we've lived through something like this, I believe many of us can adapt. Although no one wants to adjust to living like this, I'll just go with the flow. Otherwise, it would be too stressful," she

said. Cambodians take shelter in open fields across the border in Cambodia, life for evacuees has taken on a rugged rhythm. Many said they left in a hurry after hearing



shots on Monday, seeking refuge mostly in an open field. They erected tents or improvised shelters stitched together with tarps, anchored to the backs of trucks to shield themselves from the wind. People huddled for conversation, meals or sleep. Smoke drifted from small cook stoves where families cooked simple dishes, while others went fishing in a nearby pond

to supplement their food. Loueng Soth arrived at a roadside area in the Cambodian town of Srei Snam with her seven family members. She said conditions have been difficult, and she was praying for the fighting to end as soon as possible.

"I don't want to stay here and sleep on the ground as I do now," she said. "I want the war to end so I can return to my home." With cool-season temperatures dropping, the chilling winds have made life in the same field even harder for Thai Chea, who on Monday fled his home just a few hundred meters (feet) from the battleground. At the shelter where he is staying, people donned sweaters and gathered around cooking stoves in the early morning to keep warm. But there is still no sign of when evacuees can return home, as leaders on neither side appear willing to back down. "I want the war to end as soon as possible, so that I can go back to my home to do my farming work and take care of my dogs and chickens. They are at home with no one looking after them."

NEWS BOX

Arsenal crush Club Brugge to keep 100 per cent Champions League record

NEW DELHI . (Agency)

BRUGES: Noni Madueke and Gabriel Martinelli scored wonder goals as Arsenal outclassed Club Brugge 3-0 on Wednesday to make it six wins out of six in the Champions League, virtually guaranteeing automatic qualification to the last 16. Former Chelsea winger Madueke unleashed a thunderbolt from distance to give the table-topping Gunners a deserved first-half lead and headed in from point-blank range at the start of the second half. Brazil forward Martinelli then put the result beyond doubt, cutting in from the left and hitting a curling right-footed effort home from just outside the box -- competing with Madueke for goal of the night. The crushing win leaves injury-hit Arsenal top of the league phase of the Champions League with 18 points, with a top-eight finish all but assured with two games remaining. Finishing in the top eight



means automatic qualification for the last 16, avoiding the need for a risky play-off. Arsenal boss Mikel Arteta praised his team's performance, particularly in light of their lengthy list of missing players. "To play in the Champions League and to win away from home and especially when we have that many players out, it makes the task bigger but I talked to the boys," he told TNT Sports. "It was about showing how much we wanted it, the resilience and how we prepared and I think there were some great examples, for example Christian Norgaard, which is a player that probably prepares the best out of all of them."

Rare defeat
Premier League leaders Arsenal, who have never been crowned European champions, travelled to Belgium after suffering their first defeat since August at the weekend -- a 2-1 loss at high-flying Aston Villa.

Shahid Afridi sparks feud with Gautam Gambhir: He thought whatever he says is right

New Delhi. (Agency)

Former Pakistan captain Shahid Afridi has reignited his old feud with current Indian coach Gautam Gambhir. The legendary all-rounder took a subtle and cheeky dig at the former Indian opener with whom he has multiple feuds when they shared the field. In an interview with Telecom Asia Sport, Afridi commented on Gambhir's coaching stint, which has received mixed reactions. "The way Gautam started his stint, it looked like he thought whatever he said was right. But after some time, it is proven that you are not always right," Afridi said. In his autobiography, Afridi recalled the heated confrontation in typically blunt fashion. "I remember the run-in with Gambhir during the 2007 Asia Cup, when he completed his single while running straight into me. The umpires had to finish it off, or I would have. Clearly, we had a frank bilateral discussion



about each other's female relative," he wrote. Afridi doubled down in his book, making it clear that his opinion of Gambhir has remained unchanged. He described Gambhir as lacking positivity and criticised his attitude. "Gambhir behaves like he's a cross between Don Bradman & James Bond. In Karachi, we call guys like him saryal (burnt up). It's simple, I like happy, positive people. Doesn't matter if they are aggressive or competitive, but you have to be positive & Gambhir wasn't," Afridi wrote. He went even further, attacking Gambhir's personality and character in a scathing passage. "Some rivalries were personal, some professional. First the curious case of Gambhir. Oh, poor Gautam. He & his attitude problem. He who has no personality. He who is barely a character in the great" Afridi wrote, leaving little to the imagination. Gambhir, for his part, has been equally direct in his responses over the years. During the 2019 Lok Sabha election campaign, he dismissed Afridi's comments by questioning his maturity.

Seattle's Pride game with anti-LGBTQ nations Egypt and Iran creates problems for FIFA

Seattle's plan to celebrate Pride during a World Cup match has triggered strong protests from Egypt and Iran, placing FIFA in the middle of a global cultural dispute.

BRISBANE. (Agency)

A World Cup match in Seattle meant to celebrate LGBTQ+ Pride has now drawn complaints from two of the world's least LGBTQ-friendly nations, Egypt and Iran, who were ironically picked to play against each other at the FIFA World Cup 2026. Now, football's global governing body finds itself in a pickle where picking either side results in serious backlash from the other. Seattle had originally envisioned a colourful community event full of art, Pride themes and local festivities. But once Egypt and Iran were assigned to play the June 26 match, the celebration shifted into a flashpoint that neither Seattle nor FIFA particularly asked for, but must now navigate.

PRIDE MEETS POLITICS

Seattle PrideFest had chosen the match months earlier for a Pride celebration, complete with rainbow-themed art contests. One entry even featured a rainbow sun over Mount Rainier with a coffee-clutching crab goalkeeper. Seattle's mayor-elect, Kate Wilson, welcomed the idea, calling it a chance to show "everyone is welcome." Egypt's soccer federation said it sent a letter to FIFA "categorically rejecting" any activities supporting homosexuality, as reported by the Associated Press. Iran's federation president, Mehdi Taj, called the plan "unreasonable and illogical," saying Tehran would file a formal complaint and raise the issue at a FIFA meeting. Both countries said Pride events clash with their cultural and religious values — something unsurprising given their long records of targeting LGBTQ+ people. What began as a rainbow celebration suddenly ran into a geopolitical mess.

FIFA IN THE MIDDLE

The irony goes even further: FIFA can't actually control Seattle PrideFest. It only governs what happens inside stadiums and official fan zones not community events around the city.

So for once, FIFA's typical firm grip is replaced

by an awkward shrug. The organisation reportedly declined to comment, avoiding any commitment that might upset either the host city or the protesting nations.



It's also a complicated situation for an organisation that, in 2022, defended Qatar's conservative norms by restricting rainbow armbands and fan attire. Now, defending "local norms" would require supporting Seattle's Pride plans. Global consistency is hard when your hosts range from Doha to the Pacific Northwest.

SEATTLE STAYS FIRM

Seattle's organisers say they will continue with

all planned Pride programming. "We're committed to ensuring all residents and visitors experience the warmth, respect and dignity that defines our region," said spokesperson Hana Tadesse. Meanwhile, Egypt and Iran remain firm in their objections. Egypt, which often prosecutes LGBTQ+ people under "debauchery" laws, argues the celebration violates regional values. Iran, where same-sex relations can carry the death penalty, insists the event signals unacceptable support for LGBTQ+ rights. Now a local Pride celebration has become an international controversy, placing FIFA in a cultural tug-of-war and exposing how differently nations view LGBTQ+ inclusion. What was meant to be a welcoming moment for Seattle has instead turned into a test of how global sports organisations handle clashing values — all triggered by one match, one date, and one rainbow-themed art contest that travelled a little farther onto the world stage than anyone expected.

The unflinching 15 minutes: How India staged a historic comeback to win bronze

New Delhi. (Agency)

Sometimes, teams chase shadows. For most of the first three quarters, that's exactly what India did before shaking themselves loose and emerging from it. From the outside, their play seemed internally confused, stylish in moments, of course, but largely uneven, the parts that define this junior side stubbornly refusing to come together. And when, eventually, they did in the 4th quarter, they not only equalised but raced ahead to clinch what might be one of the most important bronze medals in Indian hockey history. The 4-2 win over two-time World Champions (2005 and 2021), Argentina, not only gives us hope of progress down the ranks but a bench strength that reinforces the hope that the transition to the senior side may be a bit smoother.

Argentina would be kicking themselves, which team wouldn't. After taking a 2-0 lead with just a quarter left, they decided to hang back and stopped pressing. In fact, their runs down the middle, so impressive in the start, had faded as the match progressed. It wouldn't be out of place to



state that India's pressing in the 3rd and 4th quarter created doubts, a fear that if they stepped out, India would hammer them at the back. Exactly that happened. For India, coming back from a 0-2 deficit in just 15 minutes showed character and a 'never give in' mentality. Teams do give up. But this junior side innovated. In fact, in the past decade, there have been only a handful of matches, mostly by the senior Indian side, during the Pro League where they have used the indirect penalty corner as a means of breaking the deadlock and winning close games. In close matches, where teams are locked 2-2, it requires courage to try a deflection bang in the middle of the striking

circle. India did that, not once but twice, to first cut the scores and then equalise before moving ahead 3-2 and then closing out the match 4-2 as Anmol Ekka fired in India's 7th PC after Argentina had pulled of their goalkeeper. Anmol Ekka is actually the story within the larger narrative. Or maybe, he was the highlight once you strip the bronze-medal match of all its body parts.

With the game hardly three minutes in, fans not even settled down, the VIPs, usually late, still sauntering in, group of women still not getting the right background frame for their selfies, Ekka decided to barge into Nicolas Rodriguez, on the right corner of the Indian striking circle. South African umpire Annelize Rostron pointed for a stroke. From Ekka it was a massive mistake. Players usually find it difficult to shake off such costly errors giving the opposition not just the lead but a huge mental advantage. Ekka, played himself back into the match, and by the end of the 2nd quarter, was pushing the players up, making a few runs of his own. India's problems were in transition.

Erling Haaland fires playful jibe at Carragher amid Liverpool's Salah crisis

Madrid. (Agency)

Erling Haaland referenced Jamie Carragher's ongoing dispute with Mohamed Salah as he delivered a light-hearted remark about the former Liverpool defender following Manchester City's 2-1 Champions League win over Real Madrid on Wednesday.

Carragher has been at the centre of a major talking point in English football this week after launching a strong critique of Salah's recent conduct and performances at Liverpool. His comments have sparked widespread debate, with the story dominating analysis shows and discussions across media platforms. Against this backdrop, Haaland alluded to Carragher's heightened presence in the news cycle while speaking after City's victory at the Santiago Bernabeu. "I'm getting nervous now when I see Jamie Carragher in the studio now," Haaland said. Maintaining a playful tone, he



added: "I think I need to say Rdiger now because Carragher is a bit of a loose cannon now, so we need to be careful." Haaland's remarks came after he scored the decisive penalty in a match that saw City recover from an early setback. Real Madrid opened the scoring in the 28th minute when Rodrygo finished low into the corner following a counterattack. Despite

Madrid's strong start, defensive errors before halftime allowed City to take control. Nico O'Reilly equalised in the 35th minute after reacting quickly to a rebound from Thibaut Courtois, who failed to hold Josko Gvardiol's header. Eight minutes later, Antonio Rdiger was penalised for pulling Haaland down inside the box. Following a VAR review, referee Clment Turpin awarded the penalty, and Haaland converted confidently for his first goal at the Bernabeu. City managed long spells of possession in the second half, with Courtois making several important saves to keep the hosts in contention. Real Madrid's best chance came late on when Endrick struck the post, but they could not find an equaliser as frustration grew among the home supporters. The win moved Manchester City to fourth place in the standings on 13 points.

Did Gautam Gambhir ignore Ro-Ko after ODI series win Ex-teammate sparks fresh row

After India's ODI series victory over South Africa, Robin Uthappa expressed surprise at head coach Gautam Gambhir for not crediting Virat Kohli and Rohit Sharma, despite their standout performances. Kohli amassed 302 runs, including two hundreds, in the three-match series, which India won 2-1.

WELLINGTON. (Agency)

India's 2-1 ODI series win over South Africa on December 6 should have closed with unqualified praise for the key performers. Instead, conversation quickly drifted to the

post-match press conference, where head coach Gautam Gambhir barely mentioned Virat Kohli or Rohit Sharma — the two batters who had defined the series. The omission caught the attention of former India international and Gambhir's ex-teammate Robin Uthappa, whose remarks have since prompted wider discussion among fans and analysts. Kohli produced a standout campaign, scoring 302 runs at an extraordinary average of 151 and a strike rate of 117.05, punctuated by two centuries. Rohit Sharma, too, made meaningful contributions, tallying 146 runs at an average of 48.66 and striking at over 110. Their efforts were instrumental in sealing the series for India. "What I found surprising is the post-match of that series, in the press conference, I didn't see Gautam giving credit to either Rohit or Virat. Here are a couple of guys who've batted out of their skins and shown us how

good they are and how good they can be. They reduced all kinds of doubts and shut down any naysayers about what they actually



can do and will do for India when they are in the right kind of form. That felt strange," Uthappa said on his YouTube channel. The press conference snub comes at a time when

finally received a steady run. Even though he had played a considerable number of T20Is before the 2024 T20 World Cup, Samson warmed the benches as the reserve wicketkeeper during India's historic campaign. He was always on the fringes but never quite able to force the door open. That changed after Rohit Sharma and Virat Kohli retired from T20Is. Samson began receiving consistent opportunities — this time as an opener — under head coach Gautam Gambhir. Settled at the top of the order, Samson forged a fearsome opening partnership with Abhishek Sharma as he anchored India's ultra-aggressive T20I approach under new captain Suryakumar Yadav and coach Gambhir. The results were immediate: he struck three hundreds in a span of five matches in late 2024. Just when it appeared Samson was close to cementing his place in the XI as an opener, he was pushed down the order upon Shubman Gill's return. Gill, who had struck a T20I hundred in 2023.



There are rumours over a rift between Gambhir and Kohli. A section of fans inferred from TV visuals that Kohli ignored Gambhir after his hundred in the first ODI against South Africa in Ranchi last month. However, visuals of Gambhir having a casual chat with Rohit went viral. Gambhir, meanwhile, used the press conference to speak largely about team themes and long-term planning, offering minimal direct acknowledgement of the senior pair. Uthappa highlighted this as an unusual oversight, especially given the weight of Rohit and Kohli's contributions. Both players remain fully committed to the ODI format, even as they reduce their international workloads. Having retired from Test cricket earlier this year and stepped away from T20Is following the last World Cup, they continue to anchor India's 50-over ambitions — fuelling speculation about their roles in the 2027 ODI World Cup.



Kundali Bhagya's

Shraddha Arya



Throws Star-Studded Birthday Party For Twins Siya, Shaurya

Television actress Shraddha Arya celebrated the first birthday of her twins, Siya and Shaurya, on November 29. The celebration was grand, befitting such a special occasion. Shraddha also delighted fans by revealing her children's faces and sharing adorable glimpses of them enjoying the day on her social media handle on December 2. She posted a video from the birthday bash recently, which turned out to be a star-studded affair. The event was graced by her Kundali Bhagya co-star Dheeraj Dhoopar, Bigg Boss 13 fame Mahira Sharma, Rashami Desai, and many others, making it a memorable celebration for the family and friends alike.

A Glimpse Into The Celebration

In the video, Shraddha Arya was seen mingling with friends while everyone enjoyed the night away. It also offered glimpses of the grand decorations and the heartwarming cake-cutting ceremony. Her caption read, "Thank you to all wonderful friends and family for being there and making Siya and Shaurya's first birthday so special. Your love and energy made the day a total party!!"



A user commented, "My heart, Shaurya and Siya!" Another user added, "The Kundali Bhagya reunion is the best thing." Someone wrote, "Such a beautiful, wholesome video it is." A user remarked, "Beautiful day, beautiful family." Another one wrote, "Incredible photos of an incredible day! Looks like a perfect celebration for two stars." "These cuties are the real bundle of joy. God bless them always," commented a user.

Shraddha's 'Tiny Tornadoes' Are Adorable!

Ever since Shraddha became a mother, she has been careful to keep

her children's faces private. However, as they turned one, she decided to reveal their faces in an Instagram post. The pictures, taken on their birthday, captured the adorable little ones dressed in cute outfits. Shraddha looked stunning in a baby-pink one-shoulder dress, while her husband, Rahul Nagal, twinned with her in a matching blazer, paired with a white shirt and beige pants.

Her caption on the post read, "Siya and Shaurya, our tiny tornadoes, are officially one." The post garnered over 8 lakh likes and received more than 3K comments. Actress Anjum Faakhir commented on the post, "Mashallah Mashallah!" Dheeraj Dhoopar's wife, Vinny Arora added "Touchwood" on the post. Abhishek Kapoor also wrote, "Beautiful, god bless the fam jam." Aditi Dev Sharma remarked, "Aww, so beautiful. God bless you all." Mansi Srivastava, Rashami Desai and Sriti Jha reacted to the post with red heart emojis.



What Makes The Great Indian Kapil Show Season 4 Different? Kapil Sharma Reveals



Kapil Sharma has opened up about the new season of "The Great Indian Kapil Show," revealing what will make season 4 truly unique. Speaking about the new season, the comedian shared in a statement, "Har baar lagta hai ki ab toh sab kar liya, naye season me kya karunga, lekin phir aapka pyaar aur aapki ummed mujhe kuch naya kame ka rasta dikha deti hai, iss baar bhi aap hi ki ummedo ne mujhe bahut se naye kirdar aur sath hi wo kirdar jo aapko humesha se pasand aaye hain, unhe nibhaane ka rasta dikhaya hai ... toh aapke liye comedy ke wo saare avtaar lekar aa raha hoon Netflix par, season 4 me ... jo hoga comedy ke universe ka multiverse yani mastiverse."

On Wednesday, the makers announced the exciting season 4 of the comedy show. Sharing the teaser on Instagram, Netflix wrote, "In short, India ke mastiverse mein aapka swaagat hai Watch the new season of The Great Indian Kapil Show, streaming from 20th December, 8 pm, only on Netflix."

This season, Kapil Sharma dons a variety of new avatars, including GenZ Baba, Tau Ji, Raja, and Mantri Ji, bringing a fresh generation of characters for viewers of all ages. The season features World Cup champions, global superstars, Gen Z icons, Bhojpuri celebrities, and plenty of unexpected surprises.

Sharing her excitement about the new season Tanya Bami - Series Head, Netflix India, stated, "The Great Indian Kapil Show is not just a show for us. It's something that has begun to define family time and Netflix time for India and many Indians outside of our country as well!"

"The Great Indian Kapil Show Season 4" will start from December 20, on Netflix. The season 3 wrapped up in September, with Akshay Kumar gracing the finale. Merely two months later, Kapil Sharma kicked off Season 4 and shared snapshots from the very first day of shooting on social media.

Samantha Ruth Prabhu And Raj Nidimoru's Unseen Pre Wedding Celebration Pic With Family



Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru recently announced their wedding, leaving fans super excited. Recently, an unseen moment from their pre-wedding festivities has taken over social media. The photo, which surfaced online, is from their mehendi function. The actress looked stunning in a yellow and green outfit. Viral Bhayani took to his Instagram handle and shared an unseen photo from their mehendi festivities. The couple is seen posing with other family members. The diva went for minimal mandala designs for both her hands and feet, which looked stunning. Although it wasn't clearly visible in the recent images, eagle-eyed fans earlier noticed Raj's name in one of the fingers of her mehendi design.

Raj Nidimoru Thanks Paparazzi For Congratulating Him On Marriage To Samantha Ruth Prabhu

Raj arrived at the success party, photographers quickly surrounded him with congratulations. Their warm "Shaadi mubarak ho!" prompted a shy smile from the filmmaker, who responded with a gentle, almost whispered, "Thank you." It was a moment that fans of both Samantha and Raj had been waiting for—confirmation that the couple had stepped into this new chapter with the same calm sincerity that marked their wedding.

How Samantha and Raj Met

Raj Nidimoru—one half of the celebrated duo Raj & DK—first worked with Samantha during the shooting of The Family Man season 2 in 2021. Their paths crossed again on the sets of Citadel: Honey Bunny, where Samantha starred opposite Varun Dhawan. Sources from the sets have often spoken about their growing closeness during this period, though the two remained extremely guarded about their personal lives. Despite months of speculation, neither Samantha nor Raj publicly acknowledged their relationship. Their rare appearances together only strengthened rumours until Samantha finally confirmed their union shortly before the wedding.

Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru's Wedding Looks

The lovebirds sealed the deal at the Isha Yoga Centre in Coimbatore, following simple rituals. Their temple-style spiritual wedding was also attended by Samantha's Rangasthalam co-star Ram Charan and many others. Sharing the photographs on Instagram, the actress only mentioned the date of their marriage in the caption. Coming to the duo's wedding looks, they were undoubtedly a vision of understated, traditional elegance. The actress wore a custom red Banarasi saree designed by Arpita Mehta and striking temple jewellery.

Priyanka Chopra

Is In Mumbai For The Great Indian Kapil Show



Priyanka Chopra has landed in Mumbai once again, exuding her usual easy style. As she walked through the terminal with her team, fans could not help but notice her understated yet charming persona. The global icon, dressed in a comfy outfit for a long flight, achieved the ideal blend of ease and sophistication. Priyanka was seen in a pair of grey trousers, a loose-fitted tee and a jacket at the airport. She also wore a cap, glasses and carried a duffel bag on the side. Priyanka Chopra has already caused a stir with her light-hearted warning to comedian Kapil Sharma. The global diva stunned fans by announcing that she will soon appear on Kapil Sharma's renowned chat show, The Great Indian Kapil Show.

Taking to her Instagram stories, Priyanka Chopra shared a selfie with a teasing caption, "@Kapilsharma you better be ready. #Mumbai @thegreatindiankapilshow." The actress is in Mumbai for SS Rajamouli's film with Mahesh Babu as well. Last month, the title teaser was released, which received immense love.

Priyanka Chopra On Her Struggles

Meanwhile, the actress has been in the news for her assessment of her struggles so far this week. While speaking at the Bridge Summit in Abu Dhabi, Priyanka Chopra said, "Beyonce said

this, and I am going to quote her. "I feel like I am on the other side of my sacrifice." I worked really hard, I missed birthdays, I missed when my father was in the hospital. I should have maybe spent every day with him, but he would chase me back to the set. I missed Christmases, Diwali, I missed time with my family. Because it's romanticised with young people- if you don't



work hard, you don't deserve success. Which isn't true either."

Priyanka Chopra's Upcoming Projects

Priyanka most recently appeared in Prime Video's Heads of State. She is currently filming SS Rajamouli's ambitious Telugu film Varanasi with Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran. She also has two huge Hollywood projects, The Bluff and Judgement Day, scheduled for release in 2026.

